राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 16 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-281 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीके शिवकुमार बोले-मेरे पास पैसे नहीं थे,दोनों ने मेट्रो में किया था सफर

पीएम मोदी ने खरीदी थी कर्नाटक सीएम के लिए टिकट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मेट्रो यात्रा के दौरान उनके पास टिकट खरीदने के पैसे नहीं थे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से अपना टिकट खरीदने के लिए कहा। इसके बाद मोदी ने उनका टिकट भी अपने स्मार्ट कार्ड से स्वाइप करके खरीदा। यह किस्सा शिवकुमार ने पत्रकारों के साथ पिंक लाइन मेट्रो में यात्रा के दौरान सुनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने 13 नवंबर को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया था। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की विज्ञप्ति के अनुसार, शिवकुमार ने केंगेरी से किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी तक मेट्रो में सफर किया।



कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी लाइन

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी। इस रूट को करीब 3,470 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। पिंक लाइन शुरू होने से बेंगलुरु में कनेक्टिविटी बेहतर होगी। लोगों को इस रूट पर रोजाना आने-जाने में आसानी होगी। इससे यात्रा का समय भी कम होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शिवकुमार ने पहले टिकट काउंटर से मेट्रो टिकट लिया था। मेट्रो में यात्रा के दौरान दोनों नेता साथ में बातचीत करते नजर आए।

अखिलेश चिंता न करें,तीसरी पारी में और भी नौकरियां देंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने रविवार को लखनऊ में कहा- हमने 9.5 साल में 9.50 लाख नौकरी दी तो अखिलेश यादव ने पूछा कि अब क्यों नहीं दे रहे। मैंने कहा- आपकी यह चिंता नहीं होनी चाहिए। बल्कि, यह चिंता करिए कि आपको 4 बार मौका मिला, लेकिन क्यों नहीं दे पाए। सीएम ने कहा- 22 सितंबर से अब तक हजारों जॉइनिंग लेटर बांट चुके हैं। आने वाले समय में और भी नौकरी देने जा रहे हैं। मैंने समाजवादी पार्टी के मुखिया को आश्वस्त कर दिया है कि चिंता मत करिए। तीसरी पारी आएगी तो नौकरियों में और भी चौके-छक्के लगाएंगे। योगी ने 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की।

दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

परिसीमन समेत कई विधेयक पर होगी चर्चा, सरकार हुई ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह से शुरू हो सकता है। सरकार एक ऐसा संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की कोशिश में है, जो महिलाओं के आरक्षण को परिसीमन से जोड़ता है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्षी दल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना विरोध तेज करने की तैयारी कर रहे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, प्रस्तावित कानून के तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इससे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना संभव हो सकेगा। सरकार के शीर्ष स्तरों पर सत्र की संभावित तारीखों को लेकर चर्चा चल रही है।

सरकार के लिए जरूरी समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती

हालांकि, इस विधेयक को पारित कराने के लिए जरूरी समर्थन जुटाना एक बड़ी चुनौती है। संविधान संशोधन के लिए सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन का अवश्यकता होती है। वर्तमान लोकसभा में, तीन सीटें खाली हैं, ऐसे में अगर सभी 540 सदस्य मतदान करते हैं, तो दो-तिहाई बहुमत के सिए 361 वोटों की जरूरत होगी। सत्ताधारी एनडीए के पास 320 सदस्य हैं, इसलिए जरूरी आंकड़ा छूने के लिए उसे विपक्ष के समर्थन की आवश्यकता होगी। हालांकि, सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को भरोसा जताया कि विधेयक 15 से 18 वोटों के अंतर से पारित हो जाएगा। **एसआईआर को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव-** इस विधायी पहल के साथ-साथ, एसआईआर प्रक्रिया को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच एक नया टकराव भी देखने को मिल सकता है। विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की आलोचना तेज कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ के घर फायरिंग की प्लानिंग 2 शूटर अरेस्ट

अमृतसर (एजेंसी)। अमिताभ बच्चन के घर फायरिंग करने की प्लानिंग के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो शॉर्पशूटर्स को अरेस्ट किया है। इनमें जालंधर का रहने वाला विकास ठाकुर और तरनतारन का निवासी दीपक सिंह शामिल हैं। दोनों विदेश में बैठे एक गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। पुलिस के मुताबिक, विकास दिल्ली के एक कारोबारी पर रंगदारी के लिए फायरिंग करने आया था। वहीं, दीपक 3 अक्टूबर को अमृतसर में इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। दीपक सिंह अमृतसर में 3



अक्टूबर को हुई इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर मैड संधू की हत्या के मामले में वांटेड था। इस मामले में उसके साथ शामिल पलविंदर सिंह उर्फ काका को पंजाब पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि दीपक को मुंबई में ज्यादा समय तक रुकने के लिए कहा गया था। उसे अमिताभ बच्चन के घर के बाहर फायरिंग करनी थी। पुलिस के मुताबिक, गैंगस्टर 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमिताभ के कथित बयान को लेकर उन्हें निशाना बनाना चाहता था। हालांकि, अमिताभ ने ऐसा कोई बयान देने से इनकार किया है। विकास ठाकुर जालंधर के न्यू गांधी नगर का रहने वाला है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के पास नहीं खुलेंगी शराब की दुकानें

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आंगनबाड़ी केंद्र के 1,000 फीट के दायरे में शराब की दुकान को स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने आंगनबाड़ी केंद्रों को शिक्षण संस्थान की श्रेणी में रखते हुए कहा कि वहां बच्चों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा दी जाती है इसलिए इन केंद्रों को भी शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति शंपा सरकार और न्यायमूर्ति पार्थसारथी चट्टोपाध्याय की खंडपीठ ने एकल पीठ



के पूर्व फैसले को बरकरार रखते हुए यह महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मामला हुगली जिले की सराय तीनार ग्राम पंचायत के तीनार मौजा का है। यहां एक व्यक्ति किराये के मकान में विदेशी शराब की दुकान चलाता था। बाद में उसने अपनी जमीन पर दुकान स्थानांतरित करने के लिए राज्य के आबकारी विभाग से अनुमति मांगी। प्रस्तावित जगह के पास आंगनबाड़ी केंद्र होने के कारण विभाग ने आवेदन खारिज कर दिया। इसके बाद दुकानदार ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

घाटी में पुलिसकर्मियों के शव डंपर में लाने का आरोप

बीजेपी विधायक बोलीं-हमारे शहीदों का अपमान ठीक नहीं

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की गोली से मारे गए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के शव डंपर में लाने के आरोप लगे हैं। बीजेपी विधायक शगुन परिहार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों के शव ताबूत के बिना डंपर में रखकर उनके गांव लाए गए, जो शहीदों का अपमान है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में विधायक शगुन परिहार पुलिस अधिकारियों को शवों को लाने के तरीके पर फटकार लगाती दिख रही हैं। शुक्रवार को रशपाल सिंह और बॉबी चंद का उनके पैतृक गांव डच्छन के केयार में अंतिम संस्कार किया गया। दोनों बुधवार से लापता थे। गुरुवार सुबह उनके शव देहरना जंगल से करीब 2 किलोमीटर दूर मिले थे। दोनों के शरीर पर गोलियों के कई निशान थे। उनकी



सर्विस राइफल भी गायब थी। कांग्रेस ने भी आरोप लगाया कि शहीद हुए दो एसएचओ के पार्थिव शरीर बिना ताबूत के डंपर में घर पहुंचाए गए। पार्टी ने कहा कि ग्रामीणों को खुद स्ट्रेचर और सफेद कपड़े का इंतजाम करना पड़ा। मोदी सरकार हमारे शहीदों का अपमान करने से भी नहीं चूक रही है।

जंगल में गोलियों से छलनी मिले थे शव हथियार भी गायब

11 नवंबर की दोपहर मरवाह के देहरना जंगल में गोलीबारी की आवाजें सुनाई दी थीं। इसके बाद से ही दोनों एसएचओ लापता थे। गुरुवार सुबह सर्च ऑपरेशन के दौरान दोनों के शव गोलियों से छलनी मिले। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब थे।

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते वापस पुणे लौटी

लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा सका था,एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित



पुणे (एजेंसी)। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया।

पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।

यात्रियों को गुवाहाटी भेजने के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था

एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक, विमान में सवार सभी 192 लोग सुरक्षित हैं। किसी को चोट नहीं आई। इंडिगो अब यात्रियों को गुवाहाटी पहुंचाने के लिए बेंगलुरु से दूसरा विमान पुणे भेजने की तैयारी कर रही थी। लैंडिंग गियर विमान के पहिए और उन्हें संभालने वाले हिस्से को कहते हैं। इन्हीं पहियों की मदद से विमान रनवे पर उतरता है और जमीन पर चलता है। उड़ान भरने के बाद ये पहिए विमान के अंदर चले जाते हैं, ताकि हवा में उड़ते समय रुकावट न हो।

दिल्ली से यूपी-बिहार तक छठ पूजा की धूम

बिहार में 10 हजार से ज्यादा घाटों पर की गई छठ की पूजा डूबते सूर्य को दिया गया पहला अर्घ्य,50 लाख प्रवासी घर लौटे

पटना (एजेंसी)। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। कई श्रद्धालु दंडवत करते हुए घाटों तक पहुंचे।





राजधानी पटना में गंगा नदी के 100 से ज्यादा घाटों पर अर्घ्य देने की व्यवस्था की गई थी। इनमें तीन घाटों के पास अस्थाई तालाब भी बनाए गए। इनमें 500 व्रती एक साथ अर्घ्य दे सकते हैं। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं। सीतामढ़ी के ग्रामीण क्षेत्रों में छठ सादगी और सरलता से मनाया जा रहा। लोक आस्था के तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जा रहा है। शहर में जिला प्रशासन,ग्रामीण क्षेत्रों में खुद ग्रामीणों ने छठ घाट का निर्माण किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने की खुशहाली की कामना

छठ महापर्व की बधाई देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर लिखा,छठ पूजा की शुभकामनाएं लोक आस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर, में देश-विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह पर्व सूर्य देव एवं छठी मैया के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाला यह पावन त्योहार तप, संयम और निष्ठा के माध्यम से हमाटी सांस्कृतिक परंपराओं की महत्ता को दर्शाता है। इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्य देवता को अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हैं। यह त्योहार हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा पर्यावरण के संरक्षण के लिए प्रेरित करता है। मेरी मंगलकामना है कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति की वृद्धि करे तथा देश में प्रेम और सद्भाव को बढ़ावा दे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा-जय छठी मइया!

छठ महापर्व की बधाई देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, सभी देशवासियों को महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य की अनेकानेक शुभकामनाएं। प्रकृति-पूजन को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के लिए नई चेतना और स्फूर्ति लेकर आए, साथ ही समाज में सद्भाव एवं समरसता को और अधिक प्रगाढ़ करे। सूर्यदेव की कृपा से सभी का जीवन आलोकित हो। जय छठी मइया! गृह मंत्री अमित शाह ने छठ की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, श्रद्धा और समर्पण के महापर्व छठ की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्य उपासना और लोक आस्था का यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में सुख, शांति और आरोग्य लेकर आए। छठी मैया की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

पॉक्सो आरोपी और पीड़िता के बीच समझौते से केस खत्म नहीं

केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला,पॉक्सो मामलों कह दी बड़ी बात नाबालिग पीड़िता के बालिग होने से अपराध की प्रकृति नहीं बदलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने वाले कानून को लेकर केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया कि आरोपी और पीड़ित के बीच आपसी सहमति या समझौता होने से पॉक्सो का मुकदमा सामान्य रूप से खत्म नहीं किया जा सकता। यह फैसला इसलिए अहम है, क्योंकि इससे पहले केरल हाईकोर्ट की अलग-अलग एकल पीठ इस सवाल पर अलग राय दे चुकी थीं। केरल हाई कोर्ट की दो जजों की पीठ ने अब इस कानूनी सवाल पर अपना रुख साफ किया है। केरल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने, जिसमें जस्टिस राजा विजयराघवन वी. और जस्टिस के.वी. जयकुमार शामिल थे, पॉक्सो के मामलों पर एक बड़ी बात कही है। उनके अनुसार नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज होता है, केवल आपसी समझौते के आधार पर सामान्य रूप से रद्द नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि यह नियम कम गंभीर माने जाने वाले आरोपों पर भी, जिन पर पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज है, उन पर भी लागू होता है। यह मामला 49 साल के एक मदरसा शिक्षक से जुड़ा था। उस पर छात्रा के साथ यौन दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा।

जनजातीय समाज के लिए 3 हजार करोड़ की योजनाएं की गई शुरू

मोदी बोले-नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को

पीएम ने कहा-हमारी सरकार आने के बाद हमने इसका खात्मा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों



लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। पीएम ने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय प्रेस दिवस - लोकप्रियता की होड़ में पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सवाल

लेखक- कुमार कृष्णन

पत्रकारिता का उद्देश्य लोकप्रिय होना है या जिम्मेदार होना? यह सवाल आज भारतीय मीडिया के सामने पहले से कहीं अधिक गंभीर रूप में उपस्थित है। जिस दौर में खबरों की विश्वसनीयता से ज्यादा उनकी पहुंच, तथ्य से ज्यादा उनकी सनसनी और जनहित से ज्यादा दर्शकों की संख्या को महत्व दिया जाने लगा है, उस दौर में पत्रकारिता के मूल चरित्र पर विचार करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस इसी आत्ममंथन का अवसर है।

16 नवंबर को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना से जुड़ा है। भारतीय प्रेस परिषद ने इसी दिन 1966 में काम करना शुरू किया था। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना था। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों और मीडिया संस्थानों का अधिकार नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के जानने के अधिकार और लोकतंत्र की मजबूती से भी जुड़ी हुई है।

इस वर्ष राष्ट्रीय प्रेस दिवस की घोषित विषयवस्तु पत्रकारिता - लोकप्रियतावादी या जिम्मेदार एक महत्वपूर्ण बहस को सामने रखती है। यह विषय मीडिया के सामने खड़े उस द्वंद्व की ओर संकेत करता है, जिसमें एक तरफ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने और लोकप्रियता हासिल करने का दबाव है, तो दूसरी तरफ तथ्यों, निष्पक्षता, जवाबदेही और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहने की जिम्मेदारी है।

पत्रकारिता में लोकप्रियता अपने आप में कोई दोष नहीं है। जनता के बीच स्वीकार्यता हासिल करना किसी भी समाचार माध्यम की स्वाभाविक आकांक्षा हो सकती है। लेकिन जब लोकप्रियता हासिल करने के लिए खबरों को तोड़ा-मरोड़ा जाने लगे, तथ्यों की जगह भावनाओं को और विवेक की जगह उत्तेजना को प्राथमिकता मिलने लगे, तब पत्रकारिता अपने मूल दायित्व से भटकने लगती है। लोकप्रियता और लोकप्रियतावाद के बीच यही बुनियादी अंतर है। लोकप्रिय पत्रकारिता जनता के सवालों को आवाज देती है, जबकि लोकप्रियतावादी पत्रकारिता कई बार जनता की भावनाओं का इस्तेमाल अपने व्यावसायिक या दूसरे हितों के लिए करती है।

लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका केवल घटनाओं की सूचना देना नहीं है। उसका काम उन घटनाओं के पीछे छिपे कारणों को सामने लाना, नीतियों के प्रभाव का विश्लेषण करना और सत्ता से जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, पत्रकार का दायित्व उसके कामकाज की जांच करना है। सत्ता की उपलब्धियों को सामने लाना जितना जरूरी है, उसकी विफलताओं और जनविरोधी फैसलों पर सवाल उठाना भी उतना ही आवश्यक है। पत्रकारिता का मूल्यांकन इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि उसने किस राजनीतिक पक्ष को प्रसन्न किया, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि उसने जनता के हित में कितने असुविधाजनक सवाल उठाए।

आज समाचार माध्यमों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अखबारों और पत्रिकाओं के साथ टेलीविजन, समाचार पोर्टल, यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया ने सूचना के संसार को व्यापक बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से सूचना प्रसारित कर सकता है। इससे अभिव्यक्ति के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन सूचना की विश्वसनीयता की चुनौती भी बढ़ी है। पहले खबरों के प्रकाशन और प्रसारण के लिए संपादकीय प्रक्रिया, तथ्य-जांच और संस्थागत जिम्मेदारी की व्यवस्था होती थी। डिजिटल माध्यमों में कई बार बिना पुष्टि की सूचना भी कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाती है।

इस स्थिति में पत्रकारिता और सूचना प्रसारण के बीच अंतर समझना जरूरी है। हर वायरल संदेश खबर नहीं होता और हर लोकप्रिय वीडियो पत्रकारिता नहीं होता। पत्रकारिता में सूचना की पुष्टि, संदर्भ की समझ, संबंधित पक्षों का दृष्टिकोण और तथ्यों के प्रति ईमानदारी आवश्यक है। सोशल मीडिया पर किसी घटना का अधूरा वीडियो देखकर निष्कर्ष निकालना आसान है, लेकिन पत्रकार का काम उस घटना की पूरी पृष्ठभूमि तलाशना है। उसे यह देखना होता है कि वीडियो कब का है, कहां का है, उसमें क्या छूटा हुआ है और उससे संबंधित दूसरे तथ्य क्या हैं।

लोकप्रियता की होड़ ने समाचारों की प्राथमिकताओं को भी प्रभावित किया है। किसी गांव में पेयजल का संकट, किसी आदिवासी बस्ती में विस्थापन का भय, किसी किसान की फसल का नुकसान, किसी मजदूर की मजदूरी का सवाल या किसी अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी शायद बड़े समाचार माध्यमों के लिए आकर्षक विषय न हों। इसके बावजूद ये खबरें करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ी हैं। दूसरी ओर, किसी चर्चित व्यक्ति का बयान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप या मनोरंजन जगत की छोटी-सी घटना घंटों तक चर्चा में रहती है। सवाल यह नहीं है कि ऐसी खबरें प्रकाशित या प्रसारित क्यों होती हैं, बल्कि सवाल यह है कि क्या जनजीवन के बुनियादी प्रश्नों को पर्याप्त जगह मिल रही है?

पत्रकारिता की जिम्मेदारी का सबसे बड़ा परीक्षण उन लोगों के सवालों पर होता है, जिनकी आवाज सत्ता और बाजार के गलियारों तक आसानी से नहीं पहुंचती। आदिवासी, दलित, किसान, मजदूर, महिलाएं, अल्पसंख्यक और समाज के कमजोर तबके अक्सर विकास की मुख्यधारा की चर्चाओं में उपस्थित तो रहते हैं, लेकिन अपने सवालों को स्वयं रखने का अवसर उन्हें कम मिलता है। जिम्मेदार पत्रकारिता को इन समुदायों को केवल आंकड़ों या खबरों का विषय नहीं बनाना चाहिए, बल्कि उनकी अपनी आवाज और अनुभवों को जगह देनी चाहिए। विकास की परियोजनाओं की चर्चा हो तो उसके लाभ के साथ विस्थापन, पर्यावरण और आजीविका पर पड़ने वाले प्रभावों की भी पड़ताल होनी चाहिए।

इसी तरह, पत्रकारिता का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं है। उसे विपक्ष, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, उद्योगों और प्रभावशाली संस्थाओं से भी सवाल करने चाहिए। पत्रकारिता किसी राजनीतिक विचारधारा की प्रचार मशीन नहीं बन सकती। उसकी विश्वसनीयता इसी में है कि वह सभी पक्षों को एक ही कसौटी पर परखे। यदि किसी नेता का आरोप तथ्यहीन है तो उसकी जांच होनी चाहिए और यदि किसी सरकार का दावा वास्तविकता से मेल नहीं खाता तो उसे भी सामने लाया जाना चाहिए। किसी खबर में संतुलन का अर्थ दो विरोधी पक्षों को बराबर जगह देना भर नहीं है, बल्कि उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर सच्चाई को सामने रखना है।

आज समाचारों के व्यावसायीकरण का प्रश्न भी गंभीर है। मीडिया संस्थानों के संचालन के लिए आर्थिक संसाधनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। विज्ञापन और अन्य व्यावसायिक स्रोत मीडिया की आर्थिक संरचना का हिस्सा हैं। लेकिन जब विज्ञापनदाता का हित संपादकीय निर्णयों को प्रभावित करने लगे, तब पत्रकारिता की स्वतंत्रता संकट में पड़ जाती है। विज्ञापन जुटाना पत्रकार का काम नहीं है। पत्रकार का काम सूचना जुटाना, तथ्यों की पड़ताल करना और जनता के सामने सच रखना है। विज्ञापन विभाग और संपादकीय विभाग के बीच स्पष्ट सीमा होना आवश्यक है। पाठक को यह जानने का अधिकार है कि कौन-सी सामग्री समाचार है और कौन-सी प्रायोजित सामग्री।

इसी संदर्भ में पेड न्यूज की समस्या को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब पैसे या किसी दूसरे लाभ के बदले किसी व्यक्ति, संस्था या राजनीतिक दल के पक्ष में सामग्री को समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तब पाठक के विश्वास के साथ धोखा होता है। समाचार और विज्ञापन का अंतर मिटने लगता है। चुनाव के समय इसका प्रभाव और गंभीर हो सकता है, क्योंकि मतदाता को उम्मीदवारों, दलों और नीतियों के बारे में निष्पक्ष जानकारी चाहिए। लोकतंत्र में मतदाता का निर्णय स्वतंत्र तभी हो सकता है, जब उसके पास विश्वसनीय सूचना उपलब्ध हो।

पत्रकारिता की जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण पक्ष भाषा और प्रस्तुति भी है। किसी अपराध की खबर में आरोपी को पहले ही अपराधी घोषित कर देना, किसी समुदाय को सामूहिक रूप से संदेह के घेरे में खड़ा करना या किसी संवेदनशील घटना को धार्मिक और जातीय तनाव बढ़ाने वाले ढंग से प्रस्तुत करना पत्रकारिता की मर्यादा के विरुद्ध है। किसी व्यक्ति पर आरोप लगना और उसका दोष सिद्ध होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। इसी तरह, किसी समुदाय के एक व्यक्ति के कृत्य के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। जिम्मेदार पत्रकारिता को संवैधानिक मूल्यों, मानवीय गरिमा और सामाजिक सद्भाव का ध्यान रखना चाहिए।

डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने पत्रकारिता के सामने नए अवसर और चुनौतियां दोनों प्रस्तुत की हैं। खबरों के संकलन, अनुवाद, आंकड़ों के विश्लेषण और दस्तावेजों की पड़ताल में तकनीक उपयोगी हो सकती है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री को बिना जांच के प्रकाशित करना जोखिम भरा है। नकली तस्वीरें, आवाज की नकल, बदले हुए वीडियो और भ्रामक सूचनाएं वास्तविकता का भ्रम पैदा कर सकती हैं। तकनीक पत्रकार की सहायता कर सकती है, लेकिन तथ्य की पुष्टि और नैतिक जवाबदेही का स्थान नहीं ले सकती। अंतिम जिम्मेदारी पत्रकार और संपादक की ही है।

प्रेस की स्वतंत्रता के बिना जिम्मेदार पत्रकारिता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। यदि पत्रकार को सत्ता, प्रशासन, राजनीतिक दबाव, आर्थिक हितों या किसी अन्य प्रभाव के कारण सच लिखने से रोका जाता है तो उसका असर केवल पत्रकार पर नहीं, बल्कि नागरिकों के जानने के अधिकार पर पड़ता है। पत्रकारिता में आत्मनियंत्रण और नैतिक अनुशासन जरूरी हैं, लेकिन उनके नाम पर स्वतंत्र आवाजों को दबाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना का उद्देश्य भी इसी संतुलन को मजबूत करना था। 16 नवंबर 1966 को परिषद ने काम करना शुरू किया। इसका मूल उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना और समाचार पत्रों तथा समाचार एजेंसियों के मानकों को बनाए रखना था। बाद में 1975 में परिषद समाप्त हुई और 1978 के नए कानून के तहत 1979 में इसका पुनर्गठन किया गया। राष्ट्रीय प्रेस दिवस इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को याद करने का अवसर है।

लेकिन प्रेस की स्वतंत्रता की चर्चा केवल कानूनों और संस्थाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पत्रकारों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा भी इस स्वतंत्रता से जुड़ी है। अस्थायी नियुक्तियां, कम वेतन, नौकरी की अनिश्चितता और संस्थानों पर बढ़ता आर्थिक दबाव पत्रकारों की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले पत्रकारों की स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। कई पत्रकार सीमित संसाधनों में काम करते हैं और उन्हें स्थानीय सत्ता तथा प्रभावशाली लोगों के दबाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनसे निर्भीक पत्रकारिता की अपेक्षा करने के साथ उनकी सुरक्षा और सम्मानजनक आजीविका की चिंता भी करनी होगी।

यह भी समझना होगा कि जिम्मेदार पत्रकारिता का अर्थ नीरस या केवल गंभीर खबरें प्रस्तुत करना नहीं है। पत्रकारिता रोचक, प्रभावशाली और लोकप्रिय हो सकती है। उसे आम आदमी की भाषा में अपनी बात कहनी चाहिए और समाज के बड़े हिस्से तक पहुंचना चाहिए। लेकिन रोचकता के नाम पर तथ्यों से समझौता नहीं होना चाहिए। लोकप्रियता तभी सार्थक है, जब वह जनता को जागरूक बनाए, उसकी समझ विकसित करे और लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करे।

संपादकीय

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है। एक आम उपभोक्ता के लिये बढ़ती महंगाई के मायने जरूरी चीजों पर खर्च कम करना हो सकता है। ऐसे में कीमतों को स्थिर रखने की जरूरत और भी बढ़ जाती है। कालाबाजारी करने वालों और कृत्रिम रूप से महंगाई बढ़ाने वाले तत्वों पर नकेल कसना बेहद जरूरी है।

दुनिया के नफ़रती शासकों के लिये सन्देश हैं अमेरिकी उपचुनाव

(लेखक- तनवीर जाफ़री)

अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के दोनों सदनों यानी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेज़ेनटेटिव्स पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है।रिपब्लिकन पार्टी के दोनों सदनों में बहुमत खोने के बाद अब ट्रंप के शेष कार्यकाल के लिए अमेरिका में विभाजित सरकार की स्थिति बन गई है। 13 नवंबर 2026 तक घोषित आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ऊपरी सदन यानी 100 सीटों वाली यूएस सीनेट ने 55 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी में दो निर्दलीय सांसद भी शामिल हैं जो डेमोक्रेट्स के साथ गठबंधन में हैं। जबकि सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी 44 सीटों पर सिमट गई है। इसी तरह कुल 435 सीटों वाले निचले सदन यानी यूएस हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स में जहां बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। अब तक घोषित 424 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 255 सीटें जीत ली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 169 सीटें मिली हैं। यह पिछले 112 वर्षों में हाउस चुनावों में डेमोक्रेट्स की दूसरी सबसे बड़ी जीत बताई जा रही है। कई रिपब्लिकन गढ़ों में सेंध लगाते हुये डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने उन राज्यों में भी कई सीनेट सीटें जीतीं जिन्हें पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन गढ़ माना जाता है। इनमें आयोवा,नॉर्थ कैरोलिना, मेन (ट्रॉय डेल जैक्सन), साउथ कैरोलिना (एनी एंड्रयूज़) और मिसिसिपी (स्कॉट कोलोम) जैसी सीटें शामिल हैं। इसी तरह जॉर्जिया में डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स अमेरिका के किसी भी राज्य की गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला बनीं। वहीं न्यू मैक्सिको में डेब हैलैंड अमेरिका की पहली मूल अमेरिकी महिला गवर्नर चुनी गईं। मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद देश के पहले मुस्लिम सीनेटर और न्यू हैम्पशायर से क्रिस पप्पास पहले खुले तौर पर समलैंगिक पुरुष सीनेटर चुने गए हैं। माना जा रहा है कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाना अब बेहद कठिन हो जाएगा। सीनेट और हाउस दोनों पर नियंत्रण होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी अब राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा की जाने वाली न्यायिक और कैबिनेट नियुक्तियों को रोकने की शक्ति रखेगी। इसके साथ ही, डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली संसदीय समितियां व्हाइट हाउस के कामकाज और नीतियों की जांच भी शुरू कर सकेंगी। अब सवाल यह है कि क्या शांतिप्रिय अमेरिकी जनता को ट्रंप की मागा **Make America Great Again** मुहीम रास नहीं आयी या फिर वे **MAG** की आड़ में छुपे ट्रंप के नफ़रती व पूंजीवादी एजेंडे को पहचान गये ? दरअसल ईरान पर अमेरिका द्वारा अकारण युद्ध थोपे जाने और ग़ज़ा नरसंहार के नायक बेंजमिन नेतन्याहू के लगभग हर मानवता विरोधी मिशन में उसका साथ देते रहने वाले ट्रंप ने अपने भाषणों में साम्प्रदायिकता का ज़हर उगलकर पिछले दिनों हुये अमेरिकी उपचुनावों को भी नफ़रती रंग देने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने चुनाव अभियानों के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी के मुस्लिम उम्मीदवारों के ख़िलाफ़ कई तीखे और विवादास्पद बयान दिए। इनमें आतंकवाद से जोड़ना, नागरिकता पर सवाल उठाना, नाम बिगाड़ना और धार्मिक क़ानून का डर दिखाना आदि शामिल था। मिसाल के तौर पर मिशिगन से यूएस सीनेट का चुनाव जीतने वाले डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप के निशाने पर रहे। ट्रंप ने मिशिगन की चुनावी रैलियों में अल-सैयद को बार-बार क्रूर, हिंसक व जिहादी कहा। ट्रंप ने कहा कि वे मिशिगन इसलिए आए हैं ताकि एक जिहादी मुस्लिम ब्रदरहुड सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोका जा सके। चुनाव से ठीक पहले 1 नवंबर 2026 को एक रैली में ट्रंप ने कहा था कि यदि अल-सैयद चुनाव जीत जाते हैं, तो सीनेट में प्रवेश करने से पहले उनकी जांच करने के लिए वहां मेटल डिटेक्टर लगाने पड़ेंगे। उन्होंने अपने भाषणों में जानबूझकर अब्दुल अल-सैयद को मोहम्मद कहकर संबोधित किया। ट्रंप के नफ़रती बयान की हद तो यह है कि ट्रंप ने मतदाताओं से अपील की कि वे अल-सैयद को हराकर उन्हें वापस वहीं भेज दें जहां से वे आए हैं। जबकि अल-सैयद का जन्म अमेरिका के मिशिगन में ही हुआ है। इसके अतिरिक्त ट्रंप ने अल-सैयद का विरोध करने के लिए 9/11 आतंकी हमलों की तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं बल्कि ट्रंप ने हाउस ऑफ़ रिप्रेज़ेनटेटिव्स अर्थात प्रतिनिधि सभा की वर्तमान मुस्लिम सदस्यों इल्हान उमर और रशीदा तालिब पर भी तीखे व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले किए। उन्होंने उमर के मूल देश सोमालिया का उपहास उड़ाते हुए कहा कि वह एक ऐसे देश से आती हैं जो असल में एक देश भी नहीं है। अगस्त 2026 में ट्रंप ने सोमाली मूल के लोगों और नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे बुद्धिमान नहीं हैं, उनमें कोई योग्यता नहीं है और वे हमें बता रहे हैं कि हमें अपना देश कैसे चलाना है। इसी दौरान उन्होंने ओवल ऑफ़िस में कहा कि हमारे यहां हर जगह जिहादी चुने जा रहे हैं। इसी तरह ट्रंप ने मिशिगन से सांसद रशीदा तालिब और इल्हान उमर के लिए बार-बार कहा कि उन्हें अपने मूल देशों (फ़िलिस्तीन और सोमालिया) वापस चले जाना चाहिए, जबकि रशीदा तालिब का भी जन्म अमेरिका में ही हुआ है। ट्रंप द्वारा केवल कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों पर व्यक्तिगत रूप से ही नहीं, बल्कि पूरे डेमोक्रेटिक खेमे के मुस्लिम नेताओं को लेकर ट्रंप और उनके सहयोगियों ने एक व्यापक नैरेटिव तैयार किया था। ट्रंप और रिपब्लिकन नेताओं ने चुनाव प्रचार में यह दावा किया था कि मुस्लिम उम्मीदवारों के जीतने से अमेरिका में शरिया क़ानून लागू हो जाएगा। नफ़रती ट्रंप ने बिना किसी सबूत के मुस्लिम उम्मीदवारों पर कई प्रतिबंधित संगठनों और मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े होने तक के झूठे व बेबुनियाद आरोप लगाए और अमेरिका के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए।

ग़ौरतलब है कि 2025 के न्यूयॉर्क शहर के मेयर चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने ज़ोहरान ममदानी के ख़िलाफ़ भी कई तीखे, व्यक्तिगत,नस्लवादी व अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने ममदानी को 100ब पागल कम्युनिस्ट ,आपदा, अनाकर्षक,विदेशी,देश विरोधी,न्यूयार्क को बर्बाद करने वाला बताते हुए उनपर इस्लामोफ़ोबिक हमले किए थे। परन्तु ममदानी को भी न्यूयार्क के लोगों ने मेयर चुनाव में विजयी बनाया। रिपब्लिकन पार्टी विशेषकर ट्रंप द्वारा अमेरिकी चुनाव के इतिहास में किये गये इस तरह के सांप्रदायिकतावादी दुष्प्रचार का अमेरिका में पुरज़ोर विरोध किया गया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन जैसे कई बड़े नेताओं ने ट्रंप द्वारा मुसलमानों के विरुद्ध किये जाने वाले दुष्प्रचार की आलोचना की। अनेक संगठनों ने भी ट्रंप की इस नफ़रती बयानबाज़ी की निंदा करते हुए इसे नस्लवादी क़रार दिया।

उपाय भी ठीक से हो



एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ऐसे मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ऐसे मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

विचार मंथन

लोकसभा का चुनाव वेध या अवैध?

(लेखक- सनत जैन)

भारत की राजनीति में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। अभी तक कांग्रेस और विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोलकर एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहे थे। लेकिन अब राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 2024 का लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और वैध नहीं था। यह आरोप भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती बनकर सामने आया है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में चुनावी प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के कथित दुरुपयोग, मतदाताओं की संख्या में बदलाव, मतदान प्रतिशत के आंकड़ों और चुनाव आयोग के सिस्टम के केंद्रीकरण जैसे मुद्दे प्रमाणों के साथ उठाए हैं। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट और सामने आए विभिन्न प्रमाणों का हवाला देते हुए आरोप लगाया। चुनाव से पहले ही सॉफ्टवेयर के माध्यम से मतदाता सूची और चुनावी आंकड़ों में हेरफेर की गई थी। उनका दावा है, चुनावी व्यवस्था में बदलाव करके परिणामों को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और न्यायिक पुष्टि नही है। भाजपा और चुनाव आयोग की ओर से इन आरोपों पर तथ्यात्मक जवाब देखकर राहुल गांधी के आरोपों का अब सार्वजनिक रूप से खंडन करना होगा। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया, भाजपा ने 2014 के बाद से चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये खर्च किए। एसआईआर के माध्यम से लगभग 14 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अधिकार छीन लिया है।

सवाल यह है कि यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया और चुनाव परिणामों को लेकर संदेह पैदा होता है, तो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कैसे कायम रहेगा? दूसरी ओर, किसी चुनाव को अवैध घोषित करना केवल राजनीतिक आरोप से संभव नहीं है। इसके लिए संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया में ठोस प्रमाण भी आवश्यक हैं। इस पूरे विवाद का दूसरा पहलू देश में बदलता राजनीतिक वातावरण है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा के चुनावी प्रदर्शन ने भारतीय राजनीति को नई दिशा दी थी। अब महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बढ़ते कर्ज और रोजमर्रा की आर्थिक परेशानियों ने आम आदमी की चिंताएं बढ़ाई हैं। जिस अच्छे दिन की उम्मीद के साथ जनता ने मोदी जी को समर्थन दिया था, वह उम्मीद और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच अंतर को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं। नोटबंदी, जीएसटी और विभिन्न करों का बोझ भी आम जनता की चर्चा का विषय बन चुका है। पहले प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ने वाली भीड़ और उनके प्रति दिखाई देने वाला विश्वास, भाजपा की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत था। अब विभिन्न मुद्दों पर जनता के आंदोलन और विरोध यह संकेत देते हैं, मतदाता पहले की तुलना में अधिक सवाल पूछ रहा है। जो स्वाभाविक परिवर्तन का संकेत है।

राहुल गांधी की राजनीति में पिछले कुछ समय में राजनीतिक तौर पर आक्रामकता और सक्रियता बढ़ी है। वे अब केवल कांग्रेस की राजनीतिक विरासत के सहारे नहीं, बल्कि चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और आम आदमी के अधिकारों जैसे मुद्दों को लेकर अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी मंचों और हाल ही में हैदराबाद की भारत समिट में भारतीय चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाने से यह बहस राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर भी पहुंचने लगी है। लोकतंत्र में चुनाव आयोग, न्यायपालिका और कार्यपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण होती है। इन संस्थाओं पर सवाल उठना अस्वाभाविक नहीं है। आरोपों की निष्पक्ष जांच और प्रमाणों के आधार पर जवाब देना भी सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के लिए उतना ही आवश्यक है। 2024 के लोकसभा चुनाव को वैध या अवैध बताने का अंतिम निर्णय राजनीतिक भाषणों से नहीं, बल्कि संविधान और कानून के अनुसार ही हो सकता है। सरकार को राहुल गांधी के आरोपों को केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के साथ

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएनबी की डिजिटल कारोबार के विस्तार के जरिये गैर-ब्याज आय बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), अपनी गैर-ब्याज आय में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए डिजिटल कारोबार के विस्तार पर जोर दे रहा है। बैंक को उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष से क्रेडिट कार्ड और नकदी प्रबंधन सेवाओं से प्रत्येक तिमाही में लगभग 200-200 करोड़ रुपये का मुनाफा होगा, जिससे कुल 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकेगा। पीएनबी के एक अे धिकारी ने बताया कि बैंक ने क्रेडिट कार्ड, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन सेवा के लिए अलग-अलग डिजिटल मंच तैयार किए हैं। उनका लक्ष्य है कि शुल्क आधारित आय में वृद्धि कर ट्रेजरी से होने वाली कमाई और ऋण वसूली से जुड़ी संभावित चुनौतियों का सामना किया जा सके। बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू होने के बाद अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों की संख्या 6.04 लाख से बढ़ाकर लगभग 11 लाख कर दी है, जिसका लक्ष्य मार्च 2027 तक 13 लाख से अधिक करना है। वहीं, आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण में नौ महीने में 5,200 करोड़ रुपये का बकाया पोर्टफोलियो बन चुका है। नकदी प्रबंधन सेवा से मौजूदा 130-140 करोड़ रुपये के तिमाही मुनाफे को भी 200 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इन आय स्रोतों को बढ़ाने के साथ-साथ पीएनबी परिचालन लागत कम करने पर भी ध्यान दे रहा है। बैंक का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में लागत-आय अनुपात को 50 प्रतिशत से नीचे और 2028-29 तक 45 प्रतिशत तक लाना है, जो वर्तमान में 50.38 प्रतिशत है। चंद्रा के अनुसार, ये पहल बैंक की समग्र लाभप्रदता में और सुधार करेंगी।

भारत-मिस्र ऊर्जा सहयोग पर जोर, गोयल ने अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक से की मुलाकात

काहिरा ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी मिस्र यात्रा के दौरान 14 नवंबर को काहिरा में मिस्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के अध्यक्ष अहमद अल्स्वेदी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य भारत-मिस्र के बीच व्यापारिक एवं निवेश सहयोग को नई दिशा देना और भारत में अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करना था। गोयल ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि बैठक के दौरान विद्युत उपकरण, स्मार्ट मीटर और डेटा केंद्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी मजबूत करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने अल्स्वेदी को भारत के विशाल बाजार, तीव्र विकास और निवेश, नवोन्मेषण व कारोबार विस्तार के व्यापक अवसरों से अवगत कराया। बिजली केबल, समाधान और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत अल्स्वेदी इलेक्ट्रिक के लिए भारत एक आकर्षक गंतव्य हो सकता है। गोयल 132 सदस्यीय भारतीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ मिस्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

जोमैटो-ब्लिंकइट की कंपनी ईवी लक्ष्य की समयसीमा पर पुनर्विचार करेगी

zomato AN ETERNAL COMPANY blinkit AN ETERNAL COMPANY

नई दिल्ली ।

जोमैटो और ब्लिंकइट की मूल कंपनी इटर्नल ने वर्ष 2030 तक अपने डिलिवरी बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में बदलने के लक्ष्य पर पुनर्विचार शुरू कर दिया है। कंपनी ने व्यापार विस्तार, ईवी उपलब्धता और सरकारी नीतियों को इस बदलाव का मुख्य कारण बताया है। कंपनी की एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने स्वीकार किया कि मौजूदा परिस्थितियों में लक्ष्य हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। जब लक्ष्य तय हुआ, तब 1.5 लाख सक्रिय पार्टनर थे, जो अब बढ़कर 12 लाख (जोमैटो व ब्लिंकइट) हो गए हैं। इस विस्तार ने ईवी बदलाव को जटिल बना दिया है। अब यह लक्ष्य केवल दोपहिया नहीं, बल्कि हाइपरप्योर के ट्रकों सहित पूरे इटर्नल समूह के बेड़े पर लागू होगा। इटर्नल हरित परिवहन के प्रति प्रतिबद्ध है और इसे आर्थिक रूप से भी लाभदायक मानती है। कंपनी के बेड़े में पहले से ही 12-13 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन हैं, जो बाजार औसत से दोगुना है। कंपनी भागीदारों को प्रोत्साहन, किराये के विकल्प देकर इसे बढ़ावा दे रही है। हालांकि, अंजलि कुमार ने कहा कि 900 शहरों में लाखों भागीदारों के लिए भरोसेमंद व किफायती ईवी उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि ईवी नीतियां बनाते समय भागीदारों की आर्थिक स्थिति व आजीविका का ध्यान रखना अहम है। नए लक्ष्य की समयसीमा 2035 तक बढ़ाई जा सकती है, जिसका निर्णय ईवी नीति के क्रियान्वयन पर निर्भर होगा।

रेजरपे आईपीओ को मिली सेबी की मंजूरी, 6,500 करोड़ तक जुटाएगी कंपनी

2027 की पहली तिमाही में लिस्टिंग संभव, वित्त वर्ष 25 में राजस्व बढ़ा, लेकिन घाटा भी हुआ

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे को आखिरकार शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी का लक्ष्य इस आईपीओ के जरिए 5,500 से 6,500 करोड़ रुपए तक जुटाना है और इसकी लिस्टिंग 2027 की पहली तिमाही में होने की उम्मीद है। यह कदम फिनटेक सेक्टर में रेजरपे की बढ़ती साख और निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करता है, हालांकि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ-साथ घाटा भी दर्ज किया गया है। सेबी की मंजूरी और वैल्यूएशन की स्थिति रेजरपे को हाल ही में सेबी से ड्राफ्ट आईपीओ दस्तावेजों पर अंतिम टिप्पणियां मिली थीं, जिसके बाद कंपनी अब अपनी लिस्टिंग की दिशा में आगे बढ़ सकती है। कंपनी ने जून में गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस जमा किया था। बाजार में रेजरपे का संभावित वैल्यूएशन करीब 5 अरब डॉलर (लगभग 49,000-50,000 करोड़ रुपए) आंका जा रहा है, जो 2021 में मिले 7.5 अरब डॉलर के वैल्यूएशन से कम है। आईपीओ में 2,700 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए अपनी हिस्सेदारी का कुछ हिस्सा बेच सकेंगे। एक्सिस कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटी और कोटक महिंद्रा कैपिटल इस आईपीओ के प्रमुख सलाहकार हैं। बाजार का रुख और रेजरपे की रणनीति रेजरपे ऐसे समय में आईपीओ ला रही है, जब नई टेक कंपनियों की कमाई, ग्रोथ और वैल्यूएशन पर निवेशक कड़ी नजर रख रहे हैं। वॉलमार्ट समर्थित फोनपे जैसी कंपनियों ने भी बाजार की अनिश्चितता के कारण अपनी आईपीओ योजना टाल दी थी। 2014 में स्थापित, रेजरपे कारोबारियों को ऑनलाइन, ऑफलाइन और क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सहित विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी ने अपने ऑफलाइन पेमेंट कारोबार की रणनीति में बदलाव किया है,



जिससे लागत घटाने और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने मई 2025 में अमेरिका से भारत मुख्यालय स्थानांतरित कर रिवर्स फ्लिप प्रक्रिया पूरी की है, जिससे भारतीय बाजार में लिस्टिंग का रास्ता साफ हो गया।

मुंबई में सीएनजी फिर महंगी, 91.50 रुपए प्रति किलो पहुंचा दाम

साल में आठवीं बढ़ोतरी, जनवरी से अब तक 11 रुपये महंगा हुआ ईंधन

नई दिल्ली ।

मुंबई और आसपास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतें एक बार फिर बढ़ गई हैं, जिसने वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार, 15 नवंबर को सीएनजी के दाम में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया, जिसके बाद अब इसका खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ये नई दरें 14 नवंबर की आधी रात से लागू हो गई हैं। यह इस साल की आठवीं वृद्धि है। जनवरी में 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम रही सीएनजी की कीमत में अब तक कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है, जो लगभग 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। इस वृद्धि से मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) में लगभग 12.93 लाख सीएनजी वाहनों, जिनमें ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी गाड़ियां शामिल हैं, के मालिकों का ईंधन खर्च बढ़ जाएगा। महानगर गैस लिमिटेड ने कीमतों में बढ़ोतरी की वजह गैस खरीदने की बढ़ती लागत, घरेलू प्राकृतिक गैस के कम आवंटन और आयातित रीगैसिफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस पर बढ़ती निर्भरता को बताया है। कंपनी के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी संकट और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव ने उनकी इनपुट लागत को काफी बढ़ा दिया है। एमजीएल ने कहा कि यह बढ़ोतरी लागत के बढ़ते बोझ को कुछ हद तक कम करने और सीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए की गई है। कंपनी लागत नियंत्रण के प्रयास जारी रखने का दावा कर रही है।

टाटा स्टील 27 तक एनआईएनएल विलय पूरा करेगा

40 हजार करोड़ रुपए के विस्तार का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली ।

टाटा स्टील वित्त वर्ष 2026-27 तक नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) का अपने साथ विलय करने की प्रक्रिया पूरी करने की तैयारी में है। कंपनी के एक कार्यकारी निदेशक ने बताया कि इस रणनीतिक कदम से ओडिशा में 40,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात उत्पादन क्षमता के बड़े विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यकारी निदेशक चटर्जी ने पुष्टि की कि विलय प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। हालांकि, इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की अंतिम मंजूरी का इंतजार है, जिसकी सुनवाई इसी महीने के अंत में प्रस्तावित है। विलय की मंजूरी मिलते ही टाटा स्टील एनआईएनएल की मौजूदा 10 लाख टन सालाना क्षमता में करीब 50 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी। यह 40,000 करोड़ रुपए का विस्तार मुख्य रूप से लंबे इस्पात उत्पादों, जैसे सरिया, के उत्पादन पर केंद्रित होगा। टाटा स्टील ने जुलाई 2022 में 12,100 करोड़ रुपए में एनआईएनएल का अधिग्रहण किया था। एनआईएनएल केंद्र सरकार की निजीकरण प्रक्रिया के तहत निजी हाथों में जाने वाली पहली सरकारी इस्पात कंपनी थी। यह विलय टाटा स्टील की ओडिशा में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने और इस्पात कारोबार को मजबूत करने की रणनीति का अहम हिस्सा है।

माइक्रोसॉफ्ट की ग्लोबल सेवाएं बहाल, 24 घंटे बाद मिली राहत

आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 जैसी प्रमुख सेवाएं प्रभावित

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने शनिवार को घोषणा की कि उसकी सभी कंज्यूमर और एंटरप्राइज सेवाएं, जो 24 घंटे से अधिक समय से एक वैश्विक तकनीकी रुकावट के कारण बाधित थीं, अब पूरी तरह से बहाल कर दी गई हैं। इस आउटेज ने दुनिया भर के लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित किया, जिन्हें आउटलुक, टीम्स और माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट जैसी आवश्यक सेवाओं तक पहुँचने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। तकनीकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सभी उपभोक्ता और उद्यम सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि की है, जिससे 24 घंटे से अधिक समय तक चली एक वैश्विक तकनीकी बाधा समाप्त हो गई है। कंपनी के सर्विस स्टेटस पेज पर सभी सेवाएं बहाल का संदेश पोस्ट किया गया, जो दुनिया भर में लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए राहत की बात है। यह समस्या गुरुवार को शुरू हुई और शुक्रवार तक कई देशों में व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों और व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करती रही। आउटलुक, टीम्स, माइक्रोसॉफ्ट 365 कोपायलट, शेयरपॉइंट ऑनलाइन और अन्य



क्लाउड-आधारित सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों के कारण ईमेल सेवाएं बाधित हुईं, वर्चुअल मीटिंग्स पर असर पड़ा और महत्वपूर्ण कार्यों में बाधा आई। माइक्रोसॉफ्ट ने इस वैश्विक आउटेज के लिए अपने ग्राहकों और साझेदारों से गहरा खेद व्यक्त किया है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह एक तकनीकी समस्या थी, जिसका साइबर हमले या एआई एजेंट्स से कोई लेना-देना नहीं था।

यह खराबी नेटवर्क क्षमता को बढ़ाने (नेटवर्क कैपेसिटी अपग्रेड) के दौरान आई, जो हाल ही में किए गए एक नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई।

साइकिल के पुर्ज़े से एआई-सैटेलाइट तक सुनील मित्तल का 50 साल का बेमिसाल सफ़र

मोबाइल एआरपीयू 350 रुपए करने पर जोर; एआई, क्लाउड और सैटेलाइट पर एयरटेल का भविष्य केंद्रित

नई दिल्ली ।

लुधियाना में साइकिल के पुर्जे बनाने की छोटी इकाई से शुरू होकर सुनील भारती मित्तल का सफर आज भारती एयरटेल को दुनिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनियों में शामिल कर चुका है। समूह अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, और इस मौके पर मित्तल ने कंपनी के तकनीकी भविष्य की महत्वाकांक्षी रूपरेखा पेश की है। उनका लक्ष्य एयरटेल को महज दूरसंचार सेवा प्रदाता से आगे बढ़ाकर एक व्यापक प्रौद्योगिकी कंपनी बनाना है, जिसके केंद्र में संपर्क हो और विस्तार कृत्रिम मेधा (एआई), डिजिटल वित्तीय सेवाओं, सॉवरेन क्लाउड और सैटेलाइट संचार तक हो। इस भविष्य की तस्वीर के साथ ही मित्तल ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत में मोबाइल सेवाओं की कीमतें बढ़नी चाहिए। उनके अनुसार, प्रति ग्राहक औसत राजस्व (एआरपीयू) बढ़कर 350 रुपए प्रतिमाह होना चाहिए, जो वर्तमान 271 रुपए से लगभग 29 फीसदी अधिक है। मित्तल ने बढ़ती परिचालन लागत और मोबाइल सेवाओं द्वारा प्रदत्त व्यापक सुविधाओं (बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य) का हवाला देते हुए इसे उचित ठहराया, जो प्रतिदिन 10-12 रुपये के खर्च पर उपलब्ध हैं। इस तकनीकी परिवर्तन को साकार करने के लिए भारत को अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में भारी निवेश की जरूरत है, जिसमें मोबाइल टावरों की संख्या दोगुनी करना और फाइबर नेटवर्क का विस्तार शामिल है। मित्तल ने



2016 में रिलायंस जियो के प्रवेश जैसे महाभारत के दौर को याद करते हुए तीन निजी और एक सरकारी दूरसंचार कंपनी के आदर्श मॉडल का समर्थन किया।

केडब्ल्यू ग्रुप ने गाजियाबाद में खरीदी 1.5 एकड़ जमीन

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सेक्टर की प्रमुख कंपनी केडब्ल्यू ग्रुप ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित इंदिरापुरम में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कंपनी ने नीलामी के जरिए 134 करोड़ रुपए में 1.5 एकड़ (लगभग 5,965 वर्ग मीटर) फ्रीहोल्ड जमीन का अधिग्रहण किया है। इस भूखंड पर समूह एक अल्ट्रा-लग्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने की योजना बना रहा है। केडब्ल्यू ग्रुप द्वारा गाजियाबाद के स्थानीय विकास प्राधिकरण से खरीदी गई यह जमीन इंदिरापुरम में एक रणनीतिक स्थान पर है।

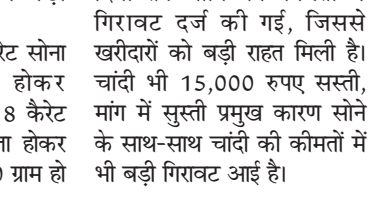
इस परियोजना में करीब पांच लाख वर्ग फुट क्षेत्र के विकास की संभावना है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 877 करोड़ रुपए आंका गया है। इसे ब्लैकस्टोन समर्थित एएसके प्रॉपर्टी फंड से 150 करोड़ रुपए का निवेश समर्थन भी प्राप्त है। केडब्ल्यू ग्रुप के एक अे धिकारी ने बताया कि इंदिरापुरम में अल्ट्रा-लग्जरी आवास की कमी थी, जिसके लिए खरीदारों को दिल्ली या नोएडा देखना पड़ता था। उनकी परियोजना इस अंतर को भरेगी और बड़े आकार के प्रीमियम आवास उपलब्ध कराएगी। वैधानिक स्वीकृतियां मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

सेबी पूंजी बाजार में एआई इस्तेमाल के दिशानिर्देश जारी करेगा

निवेशक हित, पारदर्शिता व वित्तीय स्थिरता पर जोर

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) जल्द ही विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा। सेबी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इनका उद्देश्य प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के साथ निवेशकों के हितों, बाजार की पारदर्शिता और वित्तीय स्थिरता की रक्षा करना है। उन्होंने बताया कि इन दिशानिर्देशों में एआई के उपयोग की जानकारी देना, निर्णयों की जवाबदेही तय करना और महत्वपूर्ण फैसलों में मानवीय निगरानी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाएगा। सेबी ने इस विषय पर पहले भी एक परामर्श पत्र जारी किया था। सेबी प्रमुख ने वित्तीय संस्थानों व सोशल मीडिया धोखाधड़ी से बढ़ते साइबर खतरों पर भी बात की। नियामक अपनी साइबर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर रहा है, जिसके तहत मई में एक व्यवस्थित घटना-प्रतिक्रिया व्यवस्था शुरू की गई है। क्वांटम कंप्यूटिंग से संभावित खतरों के लिए सेबी मौजूदा कूटलेखन प्रणालियों की पहचान कर रहा है, क्योंकि 2032-2035 के बीच ये जोखिम गंभीर हो सकते हैं, जिसके लिए अभी से तैयारी जरूरी है। सेबी ने बाजार



निगरानी के लिए सुदर्शन जैसे तकनीकी उपकरण भी विकसित किए हैं। नियामक स्टार्टअप के लिए इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म (आईजीपी) को आकर्षक बनाने हेतु एक कार्यदल का गठन कर चुका है।

एफपीआई ने नवंबर में भारतीय शेयर बाजार में 84,290 करोड़ निवेश किया

वैश्विक एआई शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट बनी प्रमुख वजह

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर महीने में जोरदार वापसी दर्ज की है। लगातार दो महीने की शुद्ध बिकवाली के बाद एफपीआई ने नवंबर के पहले पखवाड़े (2 से 13 नवंबर) में भारतीय इक्विटी बाजारों में 84,290 करोड़ रुपये का विशाल शुद्ध निवेश किया है। यह पूंजी प्रवाह वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट जैसे अनुकूल कारकों से प्रेरित है, जिसने निवेशकों का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

पूंजी प्रवाह और कारणों का विश्लेषण डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, यह महत्वपूर्ण निवेश अक्टूबर में 34,843 करोड़ रुपये और सितंबर में 35,861 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी के बाद आया है, जो भारतीय बाजार के लिए एक बड़ा बदलाव है। इस ताजा निवेश के साथ, चालू वर्ष में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की कुल निकासी घटकर लगभग 2.1 लाख करोड़ रुपये रह गई है, जो कुछ सप्ताह पहले करीब तीन लाख करोड़ रुपये थी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस वापसी के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में आई बिकवाली ने निवेशकों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित बाजारों से हटकर अन्य बाजारों में निवेश के अवसर तलाशने पर मजबूर किया।

इसके अतिरिक्त, नवंबर के पहले सप्ताह में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट और इसका 97 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आना भी भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहा। बड़ी भारतीय कंपनियों के शेयरों का आकर्षक मूल्यांकन भी एक वजह है।

सरकारी ठेकों में कम बोली पर शिकंजा, 30 फीसदी से अधिक छूट पर होगी जांच

गुणवत्ता व पारदर्शिता पर जोर, बोलीदाताओं से मांगा जाएगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली ।

सरकारी ठेकों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु वित्त मंत्रालय ने एक अहम कदम उठाया है। अब अनुमानित लागत से 30 फीसदी से अधिक कम मूल्य की बोली लगाने वाली कंपनियों की अनिवार्य रूप से जांच होगी। सरकारी खरीद में असामान्य रूप से कम बोली (एएलबी) की पहचान के लिए यह नई सीमा तय की गई है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के नए दिशा-निर्देशों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल कम कीमत की प्रतिस्पर्धा में काम की गुणवत्ता और समयबद्धता प्रभावित न हो। ऐसे मामलों में, संबंधित सरकारी एजेंसी बोली लगाने वाली कंपनी से लिखित स्पष्टीकरण मांगेगी, जिसमें उसे इतनी कम लागत में कार्य पूरा करने का विस्तृत तरीका बताना होगा। आवश्यकता पड़ने पर विस्तृत लागत विश्लेषण भी मांगा जा सकता है। हालांकि, केवल



कम बोली लगाना सीधे अस्वीकृति का कारण नहीं बनेगा। जांच के दौरान यदि कंपनी यह साबित करने में विफल रहती है कि वह प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता का काम करने में सक्षम है, तभी उसकी बोली रद्द की जा सकती है। पहले कम बोली की पहचान के लिए कोई निश्चित प्रतिशत नहीं था, जिससे विभिन्न विभागों में एकरूपता की कमी थी। सरकार का लक्ष्य प्रतिस्पर्धा को रोकना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि ठेका लेने वाली कंपनी प्रस्तावित कीमत पर निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप काम पूरा करे। यह नई व्यवस्था सरकारी खरीद में पारदर्शिता बढ़ाएगी और परियोजनाओं की गुणवत्ता तथा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

10 दिनों में 8400 तक सस्ता हुआ सोना,चांदी 15000 लुढ़की

देवउठनी एकादशी से पहले बाजार में खुदरा मांग कमजोर

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, पिछले 10 दिनों में इन कीमती धातुओं के भाव में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान 24 कैरेट सोना 8,400 रुपये तक और चांदी 15,000 रुपये प्रति किलो सस्ती हो चुकी है। यह गिरावट देवउठनी एकादशी से पहले कमजोर मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी के कारण आई है, जिससे त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों को खरीदारी का अच्छा मौका मिल रहा है। पिछले 10 दिनों में सोने के भाव में बड़ी गिरावट पिछले 10 दिनों के आंकड़ों पर गौर करें तो, 5 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोना 1,46,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब घटकर 1,37,770 रुपये पर आ गया है, यानी 8,400 रुपये की बड़ी गिरावट।

इसी अवधि में 22 कैरेट सोना 7,700 रुपये सस्ता होकर 1,26,300 रुपये और 18 कैरेट सोना 6,300 रुपये सस्ता होकर 1,03,370 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है।

खास बात यह है कि 10 से 13 नवंबर के बीच लगातार चार दिनों तक सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे खरीदारों को बड़ी राहत मिली है। चांदी भी 15,000 रुपए सस्ती, मांग में सुस्ती प्रमुख कारण सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट आई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सैंडपेपर विवाद

तेंदुलकर ने 49 साल से संभालकर रखा है पहला बैट

बल्ला लेकर शेयर की खास तस्वीर

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने बल्ले से इतिहास रचने वाले सचिन तेंदुलकर ने बचपन की एक याद को आज भी संभालकर रखा है। मास्टर ब्लास्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी बचपन की तस्वीर शेयर की है। इसमें वे छोटे बच्चे के रूप में हाथ में बल्ला पकड़े नजर आ रहे हैं। सचिन ने बताया कि उनका पहला बैट 49 साल बाद भी उनके पास है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दिल



का मामला है... 49 साल बाद भी ये मेरे साथ है। इस तस्वीर के साथ सचिन ने अपने क्रिकेट के शुरुआती दिनों की यादें ताजा कीं।

16 साल की उम्र में किया था इंटरनेशनल डेब्यू- सचिन तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ कराची में 16 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सचिन ने करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला। उनका आखिरी टेस्ट मैच 14 से 16 नवंबर 2013 के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यह उनके करियर का 200वां टेस्ट था। 16 नवंबर को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा।

100 शतक और 34 हजार से ज्यादा रन बनाए- सचिन तेंदुलकर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 200 टेस्ट में 15,921 रन बनाए। इसमें 51 शतक और 68 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इस तरह सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 34,357 रन बनाए। वे टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन ने 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक भी लगाया था।

2011 में पूरा किया वर्ल्ड कप जीतने का सपना

सचिन के करियर की सबसे यादगार उपलब्धियों में 2011 का वनडे वर्ल्ड कप शामिल है। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को हराकर दूसरी बार वर्ल्ड कप जीता था।

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

पांचवां मैच 22 रन से हराया

भारत 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज जीता

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत ने 7 साल बाद न्यूजीलैंड में वनडे सीरीज अपने नाम की है। पांच मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला टीम ने 22 रन से जीत लिया। टीम इंडिया ने कीवी धरती पर आखिरी बार 2019 में 4-1 से सीरीज जीती थी।

माउंट माउंगानुई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 42.1 ओवर में 209 रन पर ऑलआउट हो गया। अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46-46 रन बनाए।जवाब में न्यूजीलैंड की पारी 48.1 ओवर में 187 रन बनाकर सिमट गई। भारत से तेज गेंदबाजों ने मिलकर 7 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह ने 3 बल्लेबाजों को आउट किया। मोहम्मद सिराज और आकिब नबी को 2-2 विकेट मिले। यश ठाकुर ने एक विकेट लिया। ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन बनाए थे। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 187 रनों पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने कम स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए मेजबान टीम को लक्ष्य तक पहुंचने नहीं दिया।

टॉस जीतकर न्यूजीलैंड ने चुनी गेंदबाजी- पांचवें वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यह मुकाबला माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला गया। पिछले मुकाबले में भारतीय टीम इसी मैदान पर महज 89 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। ऐसे में टीम इंडिया के सामने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने और सीरीज जीतने की चुनौती थी।

सैंटनर और डफी ने झटके तीन-तीन विकेट- न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सैंटनर और तेज गेंदबाज जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। दोनों ने अपनी सटीक लाइन और लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं



दिया। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने भी अहम विकेट लेकर भारत की मुश्किलें बढ़ाईं। न्यूजीलैंड की शानदार गेंदबाजी के कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

भारत ने न्यूजीलैंड को दिया 210 रनों का लक्ष्य- भारतीय टीम की पारी 209 रनों पर समाप्त होने के बाद न्यूजीलैंड को जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य मिला। कम स्कोर होने के कारण भारतीय गेंदबाजों पर मुकाबला बचाने की बड़ी जिम्मेदारी थी। हालांकि, टीम इंडिया ने शुरुआत से ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा और नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए।

187 रनों पर सिमटी न्यूजीलैंड की टीम- 210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। मेजबान टीम लगातार विकेट गंवाती रही और आखिरकार 187 रनों पर ऑलआउट हो गई। भारत ने यह मुकाबला 22 रनों से अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया।

भारत ने 3-1 से अपने नाम की वनडे सीरीज- न्यूजीलैंड के खिलाफ इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की वनडे सीरीज 3-1 से जीत ली। इससे पहले चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रनों से करारी शिकस्त दी थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम महज 89 रनों पर सिमट गई थी। हालांकि, आखिरी मैच में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने भारत को जीत दिलाई और टीम ने सीरीज का अंत जीत के साथ किया।

भारतीय बल्लेबाजी एक बार फिर लड़खड़ाई

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और भारतीय बल्लेबाज बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे। मिचेल सैंटनर और



जैकब डफी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। नतीजा यह रहा कि पूरी भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रनों पर सिमट गई।

एलिना स्वितोलिना ने फाइनल में बनाई जगह

मिर्रा एंड्रीवा से होगा खिताबी मुकाबला



कैलिफोर्निया (एजेंसी)। डब्ल्यूटीए फाइनल 2026 के खिताबी मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। यूक्रेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना ने महज 65 मिनट में 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। अब खिताब के लिए उनका सामना 2026 फ्रेंच ओपन चैंपियन और 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी मिर्रा एंड्रीवा से होगा।

लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया- एलिना स्वितोलिना ने सेमीफाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। उन्होंने लिंडा नोस्कोवा को संभलने का ज्यादा मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में भी स्वितोलिना का दबदबा जारी रहा और उन्होंने 6-1 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन मिर्रा एंड्रीवा से होगी भिड़ंत- डब्ल्यूटीए फाइनल के फाइनल में स्वितोलिना के सामने 19 वर्षीय मिर्रा एंड्रीवा की चुनौती होगी। एंड्रीवा ने दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। साल 2026 की फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा इस टूर्नामेंट में भी शानदार लय में नजर आ रही हैं।

32 साल की उम्र में बनाया खास रिकॉर्ड

32 साल की उम्र में डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचकर स्वितोलिना ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह 2017 में वीनस विलियम्स के बाद इस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई हैं। इसके अलावा वह 32 साल की उम्र के बाद डब्ल्यूटीए के फाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

खिताब के लिए होगी आखिरी जंग

डब्ल्यूटीए 2026 का फाइनल अब एलिना स्वितोलिना और मिर्रा एंड्रीवा के बीच खेला जाएगा। एक तरफ 32 वर्षीय अनुभवी स्वितोलिना हैं, जिन्होंने शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, तो दूसरी तरफ 19 वर्षीय फ्रेंच ओपन चैंपियन एंड्रीवा हैं। अब देखना होगा कि इस खिताबी मुकाबले में अनुभव भारी पड़ता है या युवा जोश अपना जलवा दिखाता है।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास

नंबर-11 पर पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बने



माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांचवें और आखिरी वनडे मुकाबले में भले ही भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, लेकिन तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अपनी बल्लेबाजी से खास रिकॉर्ड बना दिया। अर्शदीप ने नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली ही गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके साथ ही वह वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से इस खास उपलब्धि को हासिल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए।

वनडे में भारत के नंबर 11 बल्लेबाज द्वारा पहली ही गेंद पर छक्का वेंकटेश प्रसाद - इयान हार्वे (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, नैरोबी, सीटी 2000 क्वार्टर फाइनल जसप्रीत बुमराह - पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ, मोहाली, 2019 अर्शदीप सिंह - जैकब डफी (न्यूजीलैंड) के खिलाफ, माउंट माउंगानुई, 2026

भारत के लिए तीसरे बल्लेबाज बने अर्शदीप

नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची अब तीन नामों की हो गई है। वेंकटेश प्रसाद, जसप्रीत बुमराह और अब अर्शदीप सिंह ने यह कमाल किया है। खास बात यह है कि तीनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग दौर में अपनी बल्लेबाजी से यह यादगार उपलब्धि हासिल की है।

पहली गेंद पर छक्का लगाकर बनाया खास रिकॉर्ड

अर्शदीप सिंह ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी की पहली ही गेंद पर शानदार छक्का लगाया। उनका यह शॉट इसलिए भी खास रहा क्योंकि वह भारतीय पारी में आखिरी बल्लेबाज के रूप में क्रीज पर उतरे थे। नंबर-11 पर बल्लेबाजी करते हुए पहली गेंद पर छक्का लगाने का कारनामा वनडे क्रिकेट में बेहद कम भारतीय बल्लेबाजों ने किया है।

सौरव गांगुली ने वीरेंद्र सहवाग को दी बधाई, बेटे ने लगाया था अर्धशतक

एशिया कप के हीरो मोहित बोले-पता था दिन मेरा है

देखते रह गए पाकिस्तानी खिलाड़ी, भारत ने जबड़े से छीनी जीत; 19 एशिया कप पर किया कब्जा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर 9वीं बार एशिया कप का खिताब जीत लिया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने लिखा, हर खिलाड़ी, हर योगदान और हर पल मायने रखता है। भारत ने आज यह बात शानदार तरीके से दिखाई।

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने आर्यवीर सहवाग की तारीफ करते हुए लिखा- वीरू को बहुत गर्व हो रहा होगा।वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने फाइनल में 58 रन की पारी खेली। वे 361 रन बनाकर टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहेइस जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने आखिरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को चैंपियन बनाया। मैच के बाद उन्होंने कहा- मुझे पता था कि आज मेरा दिन है और मैं मैच खत्म करूंगा।



क्या मैच था, शानदार अंत- सहवाग

वीरेंद्र सहवाग ने भारत की जीत को अविश्वसनीय बताया। उन्होंने लिखा, क्या मैच था! क्या शानदार अंत! 338 रन का पीछा करते हुए अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के लिए जबरदस्त जज्बे की जरूरत थी।

लक्ष्य ने 80 रन बनाए, आर्यवीर ने 58 रन की पारी खेली। और जब टीम को चमत्कार की जरूरत थी, तब मानल चौहान और मोहित उल्वा ने कमाल कर दिया। इन युवा चैंपियंस पर गर्व है।



19 एशिया फाइनल में जीत के बाद सेलिब्रेशन पर विवाद,पाक खिलाड़ियों की तरफ इशारे पर आलोचना, बीसीसीआई सचिव बोले- जश्न मनाने का पूरा हक- भारत की अंडर-19 टीम ने एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर हराकर खिताब जीता। हालांकि, जीत के बाद खिलाड़ियों के जश्न पर विवाद हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तरफ इशारे करते नजर आए। इस पर हो रही आलोचना के बीच बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने टीम का बचाव किया है।सैकिया ने कहा कि मुश्किल हालात में जीत हासिल करने के बाद खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा अधिकार है। यह उनके आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाले रवैये को दिखाता है।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता

फाइनल में वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 3 गेम में हराया; 2 हफ्ते में दूसरा बीडब्ल्यूएफ टाइटल



कुमामोटो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुमामोटो जापान मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया है। रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स के फाइनल में लक्ष्य ने जापान के वर्ल्ड नंबर-15 कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।

एक घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में लक्ष्य ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए खिताब अपने नाम किया। लक्ष्य का यह लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे दो हफ्ते पहले उन्होंने जर्मनी में हायलो ओपन का खिताब जीता था।

पहला गेम हारने के बाद लक्ष्य ने की वापसी- घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कोकी वातानाबे ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतकर बढ़त बना ली। दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपनी रणनीति बदली और लंबी रैलियों के जरिए मुकाबले में वापसी की। कड़े संघर्ष के बाद उन्होंने यह गेम 21-18 से जीतकर स्कोर 1-1 कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। उन्होंने वातानाबे को वापसी का मौका नहीं दिया और 21-14 से गेम जीतकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-10 को हराया था- फाइनल से पहले शनिवार को लक्ष्य ने सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर-10 अलवी फरहान को हराया था। तीन गेम तक चले मुकाबले में उन्होंने 21-12, 15-21, 21-11 से जीत दर्ज की थी।

खराब फॉर्म से उबरकर दो हफ्ते में जीते दो खिताब- लक्ष्य सेन के लिए हायलो ओपन से पहले का समय चुनौतीपूर्ण रहा था। वे लगातार 6 टूर्नामेंट के पहले राउंड में ही बाहर हो गए थे। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद से वे किसी बड़े खिताब का इंतजार कर रहे थे।

आईपीएल 2027के मुंबई के सभी 11 मैच वानखेड़े में होंगे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने विमेंस प्रीमियर लीग आईपीएल 2027 के मुंबई लेग का वेन्यू बदल दिया है। मुंबई में होने वाले सभी 11 मुकाबले अब ब्रेबोर्न स्टेडियम की



जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इनमें 9 लीग मैच, एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। हालांकि, मैचों की तारीख और शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक, मुंबई लेग के मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच होंगे। फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी के कारण यह फैसला लिया गया है। ब्रेबोर्न स्टेडियम को भी इस टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। ऐसे में दोनों टूर्नामेंट के बीच पिचों को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है.



देवउठनी एकादशी

विष्णु-लक्ष्मी की उपासना का दिन

दीपावली के 11 दिन बाद देव प्रबोध उत्सव और तुलसी के विवाह को देवउठनी एकादशी कहते हैं। एकादशी का यह पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। क्षीरसागर में शयन कर रहे श्री हरि विष्णु को जगाकर उनसे मांगलिक कार्यों की शुरूआत कराने की प्रार्थना की जाती है। मंदिरों के व घरों में गन्नों के मंडप बनाकर श्रद्धालु भगवान लक्ष्मीनारायण का पूजन कर उन्हें बेर, चने की भाजी, आँवला सहित अन्य मौसमी फल व सब्जियों के साथ पकवान का भोग अर्पित किए जाते हैं। मंडप में शालिगराम की प्रतिमा व तुलसी का पौधा रखकर उनका विवाह कराया जाता है। इसके बाद मण्डप की परिक्रमा करते हुए भगवान से कुँवारों के विवाह कराने और विवाहितों के गौना कराने की प्रार्थना की जाती है। दीप मालिकाओं से घरों को रोशन किया जाएगा और बच्चे पटाखे चलाकर खुशियाँ मनाते हैं।

कैसे करें ग्यारस के दिन पूजन

- देवउठनी ग्यारस के दिन ब्रह्म मुहूर्त में जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए।
- इस दिन घर के दरवाजे को पानी से स्वच्छ करना चाहिए, फिर चूने व गेरू से देवा बनाने चाहिए।
- उसके ऊपर गन्ने का मंडप सजाने के बाद देवताओं की स्थापना करना चाहिए। भगवान विष्णु का पूजन करते समय गुड़, रूई, रोली, अक्षत, चावल, पुष्प रखना चाहिए।
- पूजन में दीप जलाकर देव उठने का उत्सव मनाते हुए 'उठो देव बैठो देव' का गीत गाना चाहिए।

सामग्री- गंगा जल, शुद्ध मिट्टी, कुश, सप्तधान्य, हल्दी, कुमकुम, अक्षत, पंचरत्न, लाल वस्त्र, कपूर, पान, घी, सुपारी, रौली, दूध, दही, शहद, फल, शकर, फूल, नैवेद्य, गन्ने, हवन सामग्री, तुलसी पौधा, विष्णु प्रतिमा।

क्यों मनाते हैं देवउठनी एकादशी

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु व जलंधर के बीच युद्ध होता है। जलंधर की पत्नी तुलसी पतिव्रता रहती हैं। इसके कारण विष्णु जलंधर को पराजित नहीं कर पा रहे थे। जलंधर को पराजित करने के लिए भगवान युक्ति के तहत जालंधर का रूप धारण कर तुलसी का सतीत्व भंग करने पहुँच गए। तुलसी का सतीत्व भंग होते ही भगवान विष्णु जलंधर को युद्ध में पराजित कर देते हैं। युद्ध में जलंधर मारा जाता है। भगवान विष्णु तुलसी को वरदान देते हैं कि वे उनके साथ पूजी जाएँगी। एक अन्य कथा के अनुसार गंगा राधा को जड़त्व रूप हो जाने व राधा को गंगा के जल रूप हो जाने का शाप देती हैं। राधा व गंगा दोनों ने भगवान कृष्ण को पाषाण रूप हो जाने का शाप दे दिया। इसके कारण ही राधा तुलसी, गंगा नदी व कृष्ण सालिगराम के रूप में प्रसिद्ध हुए। प्रबोधिनी एकादशी के दिन सालिगराम, तुलसी व शंख का पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। देव प्रबोधिनी एकादशी का महत्व शास्त्रों में उल्लेखित है। गोधूलि बेला में तुलसी विवाह करने का पुण्य लिया जाता है। एकादशी व्रत और कथा श्रवण से स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

कैसे करें व्रत-पूजन

- व्रती स्त्रियां इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन में चौक बनाएं।
- पश्चात भगवान विष्णु के चरणों को कलात्मक रूप से अंकित करें।
- फिर दिन की तेज धूप में विष्णु के चरणों को ढंक दें।
- देवउठनी एकादशी को रात्रि के समय सुभाषित स्त्रोत पाठ, भगवत कथा और पुराणादि का श्रवण और भजन आदि का गायन करें।
- घंटा, शंख, मृदंग, नगाड़े और वीणा बजाएं।
- विविध प्रकार के खेल-कूद, लीला और नाच आदि के साथ इस मंत्र का उच्चारण करते हुए भगवान को जगाएं -

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतये। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम॥
उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः॥
शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।

इसके बाद विधिवत पूजा करें।

कैसे करें व्रत-पूजन

- पूजन के लिए भगवान का मन्दिर अथवा सिंहासन को विभिन्न प्रकार के लता पत्र, फल, पुष्प और वंदनबार आदि से सजाएं।
- आंगन में देवोत्थान का चित्र बनाएं, तत्पश्चात फल, पकवान, सिंघाड़े, गन्ने आदि चढ़ाकर डलिया से ढंक दें तथा दीपक जलाएं।
- विष्णु पूजा या पंचदेव पूजा विधान अथवा रामार्चनचन्द्रिका आदि के अनुसार श्रद्धापूर्वक पूजन तथा दीपक, कपूर आदि से आरती करें।
- इसके बाद इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पित करें -

यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन।
तेह नाकं महिमानः सचन्त यत्र पूर्वे साध्याः सन्तिदेवाः॥

पश्चात इस मंत्र से प्रार्थना करें -
इयं तु द्वादशी देव प्रबोधाय विनिर्मिता। त्वयैव सर्वलोकानां हितार्थं शेषशायिना॥
इदं व्रतं मया देव कृतं प्रीत्यै तव प्रभो। न्यूनं सम्पूर्णतां यातु त्वत्प्रसादाज्जनार्दन॥

साथ ही प्रह्लाद, नारद, पाराशर, पुण्डरीक, व्यास, अम्बरीष,शुक, शौनक और भीष्मादि भक्तों का स्मरण करके चरणामृत, पंचामृत व प्रसाद वितरित करें। तत्पश्चात एक रथ में भगवान को विराजमान कर स्वयं उसे खींचें तथा नगर, ग्राम या गलियों में भ्रमण कराएं। (शास्त्रानुसार जिस समय वामन भगवान तीन पद भूमि लेकर विदा हुए थे, उस समय दैत्यराज बलि ने वामनजी को रथ में विराजमान कर स्वयं उसे चलाया था। ऐसा करने से समुत्थिते ततो विष्णौ क्रियाः सर्वाः प्रवर्तयेत के अनुसार भगवान विष्णु योग निद्रा को त्याग कर सभी प्रकार की क्रिया करने में प्रवृत्त हो जाते हैं।) अंत में कथा श्रवण कर प्रसाद का वितरण करें।



देवोत्थान एकादशी

कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव मनाया जाता है, किन्तु उत्तर भारत में इसका विशेष महत्व है। तुलसी को विष्णु-प्रिया भी कहते हैं। वैसे तो तुलसी विवाह के लिए कार्तिक शुक्ल नवमी की तिथि ठीक है परंतु कुछ लोग एकादशी से पूर्णिमा तक तुलसी पूजन कर पाँचवें दिन तुलसी का विवाह करते हैं। तुलसी विवाह की यही पद्धति अधिक प्रचलित है। इस दिन से हिन्दू समाज में विवाहादि मांगलिक कार्य भी पुनः प्रारंभ हो जाते हैं। इस एकादशी के उपवास से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।



देवउठनी एकादशी व्रत कथा

कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे देवोत्थान एकादशी, देवउठनी ग्यारस, प्रबोधिनी एकादशी आदि नामों से भी जाना जाता है। एक राजा के राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत रखते थे। प्रजा तथा नौकर-चाकरों से लेकर पशुओं तक को एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन किसी दूसरे राज्य का एक व्यक्ति राजा के पास आकर बोला- महाराज! कृपा करके मुझे नौकरी पर रख लें। तब राजा ने उसके सामने एक शर्त रखी कि ठीक है, रख लेते हैं। किन्तु रोज तो तुम्हें खाने को सब कुछ मिलेगा, पर एकादशी को अन्न नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति ने उस समय हाँ कर ली, पर एकादशी के दिन जब उसे फलाहार का सामान दिया गया तो वह राजा के सामने जाकर गिड़गिड़ाने लगा- महाराज! इससे मेरा पेट नहीं भरेगा। मैं भूखा ही मर जाऊँगा। मुझे अन्न दे दो। राजा ने उसे शर्त की बात याद दिलाई, पर वह अन्न छोड़ने को राजी नहीं हुआ, तब राजा ने उसे आटा-दाल-चावल आदि दिए। वह नित्य की तरह नदी पर पहुँचा और स्नान कर भोजन पकाने लगा। जब भोजन बन गया तो वह भगवान को बुलाने लगा- आओ भगवान! भोजन तैयार है।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता।

बुलाने पर पीताम्बर धारण किए भगवान चतुर्भुज रूप में आ पहुँचे तथा प्रेम से उसके साथ भोजन करने लगे। भोजनादि करके भगवान अंतर्धान हो गए तथा वह अपने काम पर चला गया।

पंद्रह दिन बाद अगली एकादशी को वह राजा से कहने लगा कि महाराज, मुझे दुगुना सामान दीजिए। उस दिन तो मैं भूखा ही रह गया। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि हमारे साथ भगवान भी खाते हैं। इसीलिए हम दोनों के लिए ये सामान पूरा नहीं होता। यह सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ। वह बोला- मैं नहीं मान सकता कि भगवान तुम्हारे साथ खाते हैं। मैं तो इतना व्रत रखता हूँ, पूजा करता हूँ, पर भगवान ने मुझे कभी दर्शन नहीं दिए।

राजा की बात सुनकर वह बोला- महाराज! यदि विश्वास न हो तो साथ चलकर देख लें। राजा एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। उस व्यक्ति ने भोजन बनाया तथा भगवान को शाम तक पुकारता रहा, परंतु भगवान न आए। अंत में उसने कहा- हे भगवान! यदि आप नहीं आए तो मैं नदी में कूदकर प्राण त्याग दूँगा। लेकिन भगवान नहीं आए, तब वह प्राण त्यागने के उद्देश्य से नदी की तरफ बढ़ा। प्राण त्यागने का उसका दृढ़ इरादा जान शीघ्र ही भगवान ने प्रकट होकर उसे रोक लिया और साथ बैठकर भोजन करने लगे। खा-पीकर वे उसे अपने विमान में बिठाकर अपने धाम ले गए। यह देख राजा ने सोचा कि व्रत-उपवास से तब तक कोई फायदा नहीं होता, जब तक मन शुद्ध न हो। इससे राजा को ज्ञान मिला। वह भी मन से व्रत-उपवास करने लगा और अंत में स्वर्ग को प्राप्त हुआ।

देव उठनी ग्यारस का महत्व

हिन्दू धर्म के हिसाब से वैसे तो हर ग्यारस तिथि को महत्वपूर्ण माना गया है और कई लोग इस तिथि पर उपवास रखते हैं परन्तु देव उठनी ग्यारस का विशेष महत्व है. ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक माह की एकादशी को भगवान विष्णु चार माह बाद योगनिद्रा से जागे थे और इसलिए चातुर्मास के बाद अब यह पहला मुहूर्त होता है जिसे सभी कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है. सबके पालनकर्ता श्री हरि हैं, इसलिए सनातन धर्मावलंबी प्रत्येक मांगलिक कार्यों का शुभारंभ भगवान विष्णु को साक्षी मानकर करते हैं. आज के दिन तुलसी विवाह से शादी का मौसम भी शुरू होता है. तुलसी विवाह एक रस्म है जिसमें आज के दिन तुलसी जी का विवाह विष्णु भगवान के साथ किया जाता है. आज के प्रसंग में देखें तो चातुर्मास के बाद देव उठनी ग्यारस से पूरे बाज़ार में हल चल शुरू हो जाती है. शादी का मुहूर्त निकलने के कारण लोग खरीदी में लग जाते हैं और इस तरह व्यापार-व्यवसाय में बड़ा उछाल आता है. भारत की यह सामाजिक संरचना ही यहाँ की आर्थिक संरचना को इतना सुदृढ़ बनाती है. तीज-त्यौहार सिर्फ खुशियों का बहाना नहीं बल्कि व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा देने का भी बहाना हैं. इन्ही प्रथाओं के चलते भारत में कभी भी रिसेशन नहीं आ सकता. मैं देव उठनी ग्यारस और सभी त्यौहारों को बहुत शुभ मानता हूँ. देव उठनी ग्यारस का धार्मिक महत्व और हमारी संस्कृति का व्यवहारिक दृष्टिकोण देखकर भारतीय संस्कृति के प्रति मेरी श्रद्धा और भी बढ़ गई.आज के दिन कई जगहों पर सामूहिक विवाह का आयोजन भी रहता है. यह भी हमारी संस्कृति का एक अमूल्य पहलू है. जो असमर्थ लोग शादी में ज्यादा व्यय नहीं कर सकते उनके लिए समाज द्वारा की गई यह कुशल व्यवस्था अत्यंत सराहनीय है.आज देव उठनी ग्यारस के दिन मैं सिर्फ इतना कहना चाहूँगा कि जिनकी आकृति अतिशय शांत है, जो शेषनाग की शय्या पर शयन किए हुए हैं, जिनकी नाभि में कमल है, जो सब देवताओं द्वारा पूज्य हैं, जो संपूर्ण विश्व के आधार हैं, जो आकाश के सदृश सर्वत्र व्याप्त हैं, नीले मेघ के समान जिनका वर्ण है, जिनके सभी अंग अत्यंत सुंदर हैं, जो योगियों द्वारा ध्यान करके प्राप्त किये जाते हैं, जो सब लोकों के स्वामी हैं, जो जन्म-मरणरूप भय को दूर करने वाले हैं, ऐसे लक्ष्मीपति, कमलनयन, भगवान विष्णु को मैं प्रणाम करता हूँ !





तुलसी विवाह

भगवान विष्णु के स्वरुप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है. देवप्रबोधिनी एकादशी के दिन मनाए जानेवाले इस मांगलिक प्रसंग के सुअवसर पर सनातन धर्मावलम्बी घर की साफ़-सफाई करते हैं और रंगोली सजाते हैं. शाम के समय तुलसी चौरा के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात् नारायण स्वरुप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं और फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं. पौराणिक कथानुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया. इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए, जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं. इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरुप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है. तुलसी विवाह के सुअवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है. आस्थावान भक्तों के अनुसार इस दिन श्रद्धा-भक्ति और विधिपूर्वक व्रत करने से व्रती के इस जन्म के साथ-साथ पूर्वजन्म के भी सारे पाप मिट जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है.

तुलसी विवाह विधि

हिन्दू पुराणों में तुलसी जी को विष्णु प्रिया कहा गया है। कार्तिक शुक्ल एकादशी को तुलसी जी और भगवान विष्णु का विवाह कराने की प्रथा है। इस विवाह में तुलसी के पौधे और विष्णु जी की मूर्ति या शालिग्राम पाषाण का पूर्ण वैदिक रूप से विवाह कराया जाता है। इस वर्ष तुलसी विवाह का शुभ दिन 13 नवंबर 2013 है। तुलसी विवाह के दिन व्रत करें और तुलसी जी के साथ विष्णु जी की मूर्ति घर में स्थापित करें। इसके बाद सुयोग्य पंडित या ब्राह्मण की सहायता से विधिवत रूप से तुलसी विवाह संपन्न कराएं। द्वादशी के दिन पुन- तुलसी जी और विष्णु जी की पूजा करें और व्रत का पारण करें। भोजन के पश्चात तुलसी के स्वत- गिरे हुए पत्तों को खाना शुभ होता है।

भगवान विष्णु-लक्ष्मी के निकट जलाएं दीपक

शास्त्रों में कार्तिक मास को श्रेष्ठ मास माना गया है। मासों में कार्तिक मास, देवताओं में भगवान विष्णु और तीर्थों में नारायण तीर्थ बद्रिकाश्रम श्रेष्ठ है। ये तीनों कलियुग में अत्यंत दुर्लभ हैं। अर्थात कार्तिक मास के समान कोई भी मास नहीं है। पुराण में वर्णित है कि यह मास धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष को देने वाला है। विशेष रूप से स्नान दान एवं तुलसी की पूजा इस मास में विशेष फलदायी है। कार्तिक मास में दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं। स्कंद पुराण में वर्णित है कि इस मास में जो व्यक्ति देवालय, नदी के किनारे, तुलसी के समक्ष एवं शयन कक्ष में दीपक जलाता है उसे सर्व सुख प्राप्त होते हैं। इस मास में भगवान विष्णु एवं लक्ष्मी के निकट दीपक जलाने से अमिट फल प्राप्त होते हैं। इस मास में की गई भगवान विष्णु एवं मां लक्ष्मी की उपासना असीमित फलदायी होती है। आषाढ़ शुक्ल एकादशी की तिथि को देव शयन करते हैं और इस कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन उठते हैं। इसीलिए इसे देवोत्थान (देवउठनी) एकादशी कहा जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु, जो क्षीरसागर में सोए हुए थे, चार माह उपरान्त जागे थे। विष्णुजी के शयन काल के चार मासों में विवाहादि मांगलिक कार्यों का आयोजन करना निषेध है। हरि के जागने के बाद ही इस एकादशी से सभी शुभ तथा मांगलिक कार्य शुरू किए जाते हैं। इस दिन गंगा-स्नान, दीपदान, अन्य दानों आदि का विशेष महत्व है। ब्रह्मा, विष्णु, शिव, अंगिरा और आदित्य ने इसे महापुनीत पर्व कहा है। इसलिए इसमें गंगा स्नान, दीपदान, होम, यज्ञ तथा उपासना आदि का विशेष महत्व है। कहा गया है कि यदि स्नान में कुशा और दान करते समय हाथ में जल व जप करते समय संख्या का संकल्प नहीं किया जाए तो कर्म फल की प्राप्ति नहीं होती है। शास्त्र के नियमों का पालन करते हुए इस दिन स्नान करते समय पहले हाथ-पैर धो लें फिर आचमन करके हाथ में कुशा लेकर स्नान करें, इसी प्रकार दान देते समय हाथ में जल लेकर दान करें। आप यज्ञ और जप कर रहे हैं तो पहले संख्या का संकल्प कर लें फिर जप और यज्ञादि कर्म करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई सीएसएमटी पर बम की धमकी निकली अफवाह

मुंबई , एजेंसी। मुंबई में रविवार को पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी) को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच के बाद अफवाह निकली। शनिवार शाम करीब 6-40 बजे वाडी बंदर स्थित राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के नियंत्रण कक्ष को स्टेशन पर बम रखे होने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी, मुंबई पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने मिलकर पूरे टर्मिनल पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। श्वान दस्तों के साथ, उपनगरीय व लंबी दूरी की ट्रेनों के प्लेटफॉर्म, पैदल पार पुलों और पार्सल क्षेत्रों सहित पूरे परिसर को खंगाला गया। घंटों चली इस सघन जांच के बावजूद, स्टेशन या किसी भी ट्रेन में कोई संदिग्ध व्यक्ति, विस्फोटक सामग्री या लावारिस वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियां अब भी पूरी तरह सतर्क हैं और रेलवे नेटवर्क पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

पुणे एयरपोर्ट से उड़ी फ्लाइट नहीं मुड़ा लैंडिंग गियर, वापस एयरपोर्ट पर कराई लैंडिंग

- विमान में थे 192 यात्री सवार, सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित निकाला

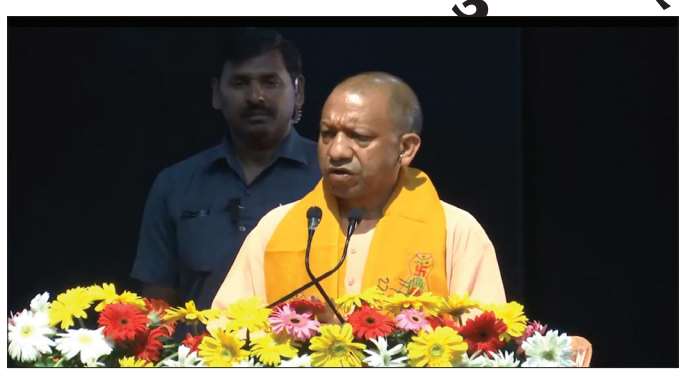
पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे एयरपोर्ट पर रविवार सुबह इंडिगो की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। पुणे से गुवाहाटी जा रही फ्लाइट ने उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही तकनीकी खराबी के कारण वापस पुणे एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी। राहत की बात यह रही कि इस दौरान किसी भी तरह का हादसा नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6ई 0623 ने रविवार सुबह पुणे से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान का लैंडिंग गियर वापस अपनी जगह पर नहीं मुड़ पाया। इस तकनीकी दिक्कत का पता चलते ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को तुरंत वापस उतारने का फैसला लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान में कुल 192 यात्री सवार थे। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी के भी घायल होने की कोई खबर नहीं है। लैंडिंग गियर विमान के पहियों और उनसे जुड़े पूरे सिस्टम को कहा जाता है। इसका इस्तेमाल विमान को रनवे पर सुरक्षित उतारने और जमीन पर चलाने के लिए किया जाता है। आमतौर पर उड़ान भरने के बाद विमान के ये पहिए अंदर की तरफ मुड़कर अपनी तय जगह में बंद हो जाते हैं ताकि हवा का दबाव कम रहे और विमान आसानी से उड़ सके। इस फ्लाइट में यही सिस्टम ठीक से काम नहीं कर पाया था जिसके चलते विमान की वापस लैंडिंग करानी पड़ी।

नशा तस्करों पर शिकंजा :25 करोड़ की स्मैक के साथ छह गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले में पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तीन अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में छह कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से अंतरराष्ट्रीय बाजार में 25 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 4.08 किलोग्राम स्मैक व इस बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन जब्त किया हैं। पुलिस ने बताया कि इन कार्रवाइयों में गिरफ्तार आरोपियों में चार पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के निवासी हैं, जबकि दो अररिया जिले के हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक बिना नंबर प्लेट वाली काली स्कॉर्पियो, छह मोबाइल फोन और वजन तौलने वाली मशीन बरामद की है। पुलिस ने बताया कि पहली कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर हड़ियाबाड़ा टोल प्लाजा के पास हुई, जहां मालदा निवासी इस्माइल शेख को 812 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा गया। उसकी निशानदेही पर जोगबनी के रियाज अंसारी को भी गिरफ्तार किया। एक अन्य कार्रवाई में, पूर्णिया से आ रही एक यात्री बस की तलाशी के दौरान मालदा के रिंकू महालदार से 1.416 किलोग्राम स्मैक बरामद की गई। इसके बाद, अररिया पुलिस और जिला आसूचना इकाई (डीआईयू) की संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली।

सीएम योगी ने 25 लाख टैबलेट योजना का किया शुभारंभः सपा सरकार ने मुन्ना भाई पैदा किए

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ी पहल की शुरुआत की है। लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत 25 लाख युवाओं को टैबलेट वितरित करने की योजना का श्रीगणेश किया।



इस मौके पर, मुख्यमंत्री योगी ने प्रतीकात्मक रूप से 50 हजार छात्र-छात्राओं को टैबलेट सौंपे, जिसमें लखनऊ के साथ-साथ उन्नाव, सीतापुर और हरदोई जिलों के युवा भी शामिल थे। सीएम योगी ने अपनी इच्छा व्यक्त कर कहा कि वे स्वयं प्रत्येक लाभार्थी से मिलकर सेल्फी लेना चाहते थे, लेकिन योजना का विशाल आकार इस बात की अनुमति नहीं देता।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार पर कड़ा प्रहार कर कहा कि 2017 से पहले, सरकारी नौकरियों में चाचा-भतीजे वसूली करने निकल पड़ते थे। उन्होंने कहा कि अब युवाओं को नौकरी पाने के लिए न किसी सिफारिश की जरूरत है और न ही कोई रिश्वत देनी पड़ती है। हमारी सरकार ने युवाओं के सामने से पहचान का संकट समाप्त किया है।

योगी ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की पहचान बदली है। अब राज्य में ब्रह्मोस मिसाइल और कानपुर में राइफल जैसे उत्पादों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने माफिया द्वारा कब्जा की गई जमीन पर फोरेंसिक इंस्टीट्यूट के निर्माण का उदाहरण देकर कहा कि बुलडोजर भेजने पर माफिया भाग खड़े हुए। उन्होंने सपा सरकार पर मुन्ना भाई पैदा करने और परीक्षा कोई और देने तथा डिग्री कोई और लेने का आरोप भी लगाया। यह योजना, जो 2021 में शुरू हुई थी, इस चरण के पूरा होने के बाद कुल 85 लाख युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन प्रदान करेगी, जो डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रीगंगानगर में रेलवे ट्रैक धमाके के दो आरोपी गिरफ्तार, इसमें एक महिला भी

- पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से पुकारते थे

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुए रेलवे ट्रैक धमाके के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब से एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान एंटी-टेरर स्क्वाड, श्रीगंगानगर पुलिस और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान महकदीप कौर (21) और दविंदर सिंह (22) के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस जांच में सामने आया है कि महकदीप कौर पाकिस्तान में बैठे दो हैंडलर्स के संपर्क में थी। पुलिस ने बताया कि इनमें से एक हैंडलर को चाचा और दूसरे को शाह के नाम से जाना जाता है। दोनों ने प्यार भरी बातों और पैसों का लालच देकर महकदीप को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब इसी तरह के तरीके अपना रही है। इससे पहले भी आईएसआई ने गंगानगर की रहने वाली बबीता नाम की एक महिला को इसी तरह अपने जाल में फंसाया था। महकदीप अपने पति से अलग रह रही थी, जो फिलहाल ड्रग तस्करी के आरोप में जेल में बंद है। जांच में यह भी पता चला है कि महकदीप को रेलवे ट्रैक पर धमाका करने के लिए पैसे दिए गए थे। पुलिस ने उसके पास से दो हथियार, 46 कारतूस और 30 हजार रुपए नकद बरामद किए हैं।

राहुल गांधी ने निभाया वादाः बड़वानी की प्रियंका की आंख का दिल्ली में सफल ऑपरेशन

- छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने किया था वादा

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की प्रियंका सेंगर, जिनकी तीन साल की उम्र में दर्दनाक हादसे के दौरान आंख में चूना गिरने से एक आंख की रोशनी चली गई थी, अब एक सफल ऑपरेशन के बाद बेहतर महसूस कर रही हैं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण यह इलाज मुमकिन नहीं हो पाया था। 19 सितंबर 2026 को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से संवाद करते हुए प्रियंका ने सरकारी छात्रावासों की बदहाली का मुद्दा उठाया। जब राहुल गांधी की नजर उनकी आंख पर पड़ी और उन्होंने प्रियंका की आपबीती सुनी, तब तुरंत उनके इलाज का पूरा खर्च उठाने और जिम्मेदारी लेने का वादा किया।



अपने वादे के कुछ ही दिनों बाद राहुल गांधी की टीम ने प्रियंका के परिवार से संपर्क किया। 27 सितंबर को प्रियंका अपने पिता उदय सिंह सेंगर और सामाजिक कार्यकर्ता सरदार नरगावे के साथ दिल्ली पहुंचीं। दिल्ली के इंदिरा गांधी आई हॉस्पिटल में जरूरी जांचों के बाद 1 अक्टूबर को उनकी आंख का सफल ऑपरेशन हुआ। कांग्रेस नेता पोरलाल खरते ने भी इस पूरी प्रक्रिया में सहयोग दिया। राहुल गांधी की ओर से आने-जाने के टिकट से लेकर अस्पताल के सभी खर्चों का वहन किया गया, जिससे परिवार पर कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। प्रियंका ने बताया कि अब उन्हें पहले से काफी बेहतर दिखाई दे रहा है, और भविष्य में आंख में लेंस भी प्रत्यारोपित किया जाएगा। इस मानवीय रिश्ते की एक और खूबसूरत तस्वीर 11 नवंबर 2026 को भाई दूज के दिन सामने आई। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में राहुल गांधी ने प्रियंका, उनके पिता और सरदार नरगावे से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने प्रियंका की तबीयत और आंख की स्थिति का हालचाल पूछा और दिलासा देते हुए कहा, किसी भी बात की चिंता मत करना, आपका भाई आपके साथ है। इस मुलाकात में प्रियंका ने अपनी व्यक्तिगत समस्या तक सीमित न रहकर छात्रों से जुड़े व्यापक मुद्दों जैसे छात्रवृत्ति, आवास, भर्ती प्रक्रिया और पेपर लीक पर भी चर्चा की।

अलग-अलग संगठनों में बैठे दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहें लोगः नितिन नबीन

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

रायगढ़ , एजेंसी । बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को लोगों से दिमागी नक्सलियों के प्रति सतर्क रहने की अपील की और आरोप लगाया कि इनमें से कुछ लोग अलग-अलग संगठनों में नेतृत्व के पदों पर बैठे हैं। नबीन ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार अपने कामों और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए इन्हें सबक सिखाएगी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ कस्बे में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि पीएम मोदी ने देश से नक्सलवाद को खत्म करने का संकल्प लिया। केंद्र और राज्य सरकारें इस संकल्प को पूरा करने के लिए काम कर रही हैं।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नबीन को इस कार्यक्रम में शामिल होना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका विमान नहीं उतर सका, जिसके कारण उनका दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने सीएम विष्णु देव साय और उनकी टीम को राज्य को नक्सलवाद से मुक्त बनाने के लिए बधाई दी। साथ ही, माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में अपनी जान गंवाने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि बस्तर के जिन इलाकों में पहले लोगों को बंदूक चलाना सिखाया जाता था, वहां अब खेल के मैदान बन गए हैं। वहां बच्चों को खेलकूद और पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नबीन ने आरोप लगाया कि उसने दशकों तक आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से दूर रखा और उनके वोटों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक फायदों के लिए किया। उन्होंने बताया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में ही जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी आदिवासी समुदाय के लिए काम करती है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी सौंपती है। नबीन ने कहा कि केंद्र और छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकारें आदिवासी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और यह तय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि चाहे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार हो या विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली, हमारा मुख्य संकल्प आपके जीवन स्तर में बदलाव लाना और विकास की उस गति को तेज करना है, जो लंबे समय से रुकी हुई थी।

बीजेपी अध्यक्ष नबीन 18 को आएंगे पंजाब, समरसता संकल्प यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

- यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी, दलित समुदाय को साधने की स्ट्रैटेजी

अमृतसर ,एजेंसी। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन फिर पंजाब आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक नबीन 18 नवंबर को पंजाब आएंगे। अपने दौरे में वे गुरु रविदास महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में जालंधर से आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। बता दें यह यात्रा जालंधर के प्रसिद्ध धार्मिक केंद्र डेरा सचखंड बल्लां से शुरू होगी और 3 दिसंबर को यूपी के वाराणसी में खत्म होगी। करीब 2,558 किमी लंबी यह यात्रा 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा का मकसद गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समानता, आपसी भाईचारे, मानव कल्याण और सद्भाव के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है। बीजेपी पंजाब में सिर्फ पॉलिटिकल रैलियों तक सीमित न रहकर सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव बनाने की स्ट्रैटेजी अपना रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक नबीन के दौरे से पार्टी यह मैसेज देना चाहती है कि वह 2027 का चुनाव पूरी गंभीरता से लड़ेगी। पंजाब में अनुसूचित जाति की बड़ी आबादी को ध्यान में रखते हुए बीजेपी गुरु रविदास की शिक्षाओं के जरिए दलित समुदाय में अपना सामाजिक आधार मजबूत करना चाहती है। साथ ही बीजेपी ने आम आदमी पार्टी के वोट बैंक को मजबूत करने के लिए सामाजिक सद्भाव का दांव खेला है, जिसे पिछले चुनावों में अनुसूचित जाति के वोटरों का भारी समर्थन मिला था। पंजाब और वाराणसी दोनों ही गुरु रविदास महाराज के भक्तों के लिए आस्था के सबसे बड़े केंद्र हैं। बीजेपी जालंधर से होने वाली समरसता संकल्प यात्रा के जरिए दोनों राज्यों के दलित समुदाय को एकजुट करने की कोशिश कर रही है।

एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं

शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में बांग्लादेश की विदेश नीति का किया जिक्र

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के साथ रिश्तों को लेकर बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा है कि बांग्लादेश भारत का सबसे करीबी पड़ोसी है और दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति से कहीं ज्यादा अहम हैं। भारत में अगस्त 2024 से रह रहीं शेख हसीना ने एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी निजी स्थिति भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में रुकावट नहीं बननी चाहिए। उन्होंने चीन के साथ बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकी पर भी अपनी राय रखी और साफ कहा कि एक देश के साथ दोस्ती करने के लिए दूसरे देश से दुश्मनी जरूरी नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना ने कहा कि भारत और बांग्लादेश के संबंध 1971 के मुक्ति संग्राम के समय से चले आ रहे हैं। दोनों देशों के बीच लंबी सीमा है और व्यापार, ऊर्जा, कनेक्टिविटी और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में साझा हित जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि ये रिश्ते इतने अहम हैं कि इन्हें किसी व्यक्ति से जुड़े राजनीतिक मतभेदों के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की ओर से अपने प्रत्यर्पण की मांग पर हसीना ने कहा कि भारत एक संप्रभु देश है और उसके अपने कानून और प्रक्रियाएं हैं। वहां की सरकार इन्हीं के मुताबिक फैसला लेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी निजी स्थिति दोनों देशों के संबंधों में कोई बाधा नहीं बनेगी।

भारत के महत्व पर जोर देते हुए हसीना ने कहा कि एक शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और स्थिर बांग्लादेश से भारत को फायदा होता है, जबकि मित्रवत और सहयोगी भारत बांग्लादेश के हित में है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनका समाधान बातचीत और आपसी सम्मान से होना चाहिए। गंगा के पानी के बंटवारे, जमीन की सीमा और समुद्री सीमाओं से जुड़े मुद्दों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बातचीत से विवाद सुलझाए जा सकते हैं।

उन्होंने बांग्लादेश के चीन के करीब जाने और बीजिंग से लड़ाकू विमान खरीदने की संभावनाओं पर हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपनी सेना आधुनिक बनाने का पूरा अधिकार है। उनकी सरकार ने भी रक्षा क्षेत्र में निवेश किया था और चीन समेत कई देशों के साथ सहयोग किया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में किसी भी बड़ी खरीदारी से पहले देश की आर्थिक स्थिति और उसकी वास्तविक जरूरतों को देखना जरूरी है।

शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश को अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन उसे बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने अपनी सरकार की विदेश नीति का जिक्र करते



हुए कहा कि उसका सिद्धांत सभी देशों के साथ दोस्ती और किसी के प्रति दुश्मनी नहीं रखने का रहा है। हसीना के इस बयान में भारत के साथ मजबूत सहयोग, चीन के साथ संतुलित संबंध और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर उनका नजरिया साफ दिखाई देता है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार सख्त

नियमों का उल्लंघन तो अफसर होंगे जिम्मेदार, 191 उद्योगों को सील करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दिल्ली, हरियाणा, यूपी और राजस्थान के पर्यावरण मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि प्रदूषण किसी राज्य की सीमा में नहीं रुकता, इसलिए दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में मिलकर एक जैसे कदम उठाने होंगे।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय मंत्री यादव ने जल्द से जल्द सभी संबंधित राज्यों को गाड़ियों की नंबर प्लेट पहचानने वाले ऑटोमैटिक कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। ऐसा नहीं करने पर 30 नवंबर 2026 के बाद संबंधित परिवहन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा शुरू किया जाएगा। यादव ने हरियाणा, यूपी और राजस्थान के 15 शहरों में सचिव स्तर के अधिकारियों को तैनात करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों की रियल टाइम निगरानी के निर्देश दिए हैं। नियमों के उल्लंघन पर इन फील्ड अफसरों की सीधी जवाबदेही होगी।

केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि वह खुद राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के साथ मिलकर नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही यादव ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बार-बार नियम तोड़ने वाले 191 उद्योगों को तत्काल सील करने का निर्देश दिया। इन इकाइयों ने प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देशों का पालन नहीं किया है। सड़क धूल नियंत्रण की स्थिति पर चिंता जताते हुए यादव ने कहा कि 5480 किलोमीटर सड़कों में से केवल 3221 किलोमीटर का पुनर्विकास हुआ है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को गड्ढों की मरम्मत, फुटपाथों की देखभाल के साथ ही सड़कों की एंड-टु-एड पक्की सतह सुनिश्चित करने को कहा। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों को डबल शिफ्ट में चलाने और एआई आधारित निगरानी से उनकी कार्यप्रणाली पर नजर रखने के निर्देश भी दिए। हरियाणा के 7, यूपी के 4 और राजस्थान के 4 शहरों में सचिव स्तर के अफसरों को फील्ड निरीक्षण का जिम्मा सौंपा गया है। ये अफसर हर सप्ताह रिपोर्ट देंगे, नियमों के उल्लंघन पर होगी सीधी जवाबदेही। दिल्ली के 154 बॉर्डर एंट्री पॉइंट्स पर इस साल 31 दिसंबर तक मल्टी-लेन फ्री फ्लो सिस्टम लगाए जाएं।

नहीं थम रहा जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला, सागर में जहरीली शराब पीने से एक की मौत, दूसरा गंभीर

सागर, एजेंसी । मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला सागर जिले का सामने आया है, जहां कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्तियों ने विवेकानंद वार्ड की मछरआई की शराब दुकान से शराब खरीद कर पी थी। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां राजाराम खटीक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे कमलेश पिता रामचरण का उपचार जारी है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विरासत सहेजकर झारखंड को समृद्ध बनाने का आह्वानः सीएम सोरेन

रांची, एजेंसी । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के 26वें स्थापना दिवस और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर प्रदेशवासियों से अपनी गौरवशाली विरासत और संस्कृति को सहेजकर एक समृद्ध एवं सशक्त झारखंड के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए गौरव, स्वाभिमान और संकल्प का दिन है।

15 नवंबर, 2000 को बिहार से अलग होकर नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया झारखंड, आज अपने 26वें स्थापना दिवस पर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मना रहा है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस मौके पर कहा कि यह दिन उन वीर पुरखों और शहीदों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की याद दिलाता है जिन्होंने जल, जंगल, जमीन, हक-अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया। उन्होंने दिशोम गुरु शिबू सोरेन, शहीद निर्मल महतो, विनोद बिहारी महतो सहित बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, सिदो-कान्हू जैसे असंख्य आंदोलनकारियों के योगदान को राज्य की अमूल्य धरोहर बताया।

बिरसा मुंडा, जिनका जन्म 1875 में खूंटी जिले के उलिहातू गांव में हुआ था, ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आदिवासियों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 25 वर्ष की अल्पायु में ही ब्रिटिश हिरासत में उनका निधन हो गया था। 2021 से उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मान देने का प्रतीक है। मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि उनके पुरखों ने जिस झारखंड का सपना देखा था, उस सपने को साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इसी संकल्प के साथ राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है। युवाओं को राज्य की सबसे बड़ी ताकत बताकर सोरेन ने कहा कि उनकी प्रतिभा और नई सोच ही झारखंड के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। सोरेन सरकार उन्हें बेहतर शिक्षा, कौशल और रोजगार के अवसर प्रदान कर उनकी ऊर्जा को राज्य की शक्ति में बदलना चाहती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के दूतों से 4 घंटे मिले पुतिन, फिर यूक्रेन पर समझौते से किया इनकार?

मास्को , एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए अपनी मांगों में बदलाव करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि रूस उन यूक्रेनी इलाकों पर अपना कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है, जिन्हें वह अपना हिस्सा मानता है. पुतिन ने यूक्रेन में दूसरे देशों की शांति सेना तैनात करने का भी विरोध किया. उनके मुताबिक, ऐसा करना युद्ध को खत्म करने के बजाय उसे जारी रखने जैसा होगा. गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को के क्रेमलिन में पुतिन से चार घंटे से ज्यादा बातचीत की. यह बैठक अबू धाबी में रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच दो दिन चली बातचीत के बाद हुई. इसके बाद अमेरिकी दूत आयरलैंड की राजधानी डबलिन पहुंचे और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को बातचीत की जानकारी दी. जेलेंस्की और कुशनर ने कहा कि रूस के साथ अगली बातचीत में यूरोपीय देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे. हालांकि, रूस ने अभी इस नए बातचीत प्रारूप की पुष्टि नहीं की है. रूस ने डोनेट्स्क, खेरसॉन, लुहांस्क और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा घोषित किया है. हालांकि, इन चारों क्षेत्रों पर उसका पूरा नियंत्रण नहीं है. यूक्रेन और पश्चिमी देश रूस के इस दावे को अवैध मानते हैं. पुतिन ने इन इलाकों पर नियंत्रण की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया. पुतिन ने पूर्वी यूक्रेन के कोस्त्यंतिनिव्का शहर में थोड़े समय के लिए युद्धविराम और राहत अभियान चलाने का प्रस्ताव दिया. उनका दावा है कि वहां 400 से 500 आम नागरिक फंसे हैं. रूस ने पहले इस शहर पर कब्जे का दावा किया था, लेकिन यूक्रेन का कहना है कि वहां अब भी लड़ाई जारी है।

फ्रांस में बम की धमकी के बाद तीन स्कूल खाली कराए गए,

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में गुरुवार को बम की धमकी मिलने के बाद तीन स्कूलों को खाली कराया गया। हालांकि, बाद में जांच में ये सभी धमकियां झूठी निकलीं। फ्रांसीसी अखबार 'ले पेरिसियन' के मुताबिक, ये तीनों घटनाएं दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले, पूर्वी फ्रांस के मोरेज और उत्तर-पूर्वी फ्रांस के लाओन शहर में हुईं। इन जगहों पर स्थित तीन शिक्षण संस्थानों को एहतियातन खाली कराया गया। फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को बम की धमकी मिलने की तीन घटनाएं सामने आईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को कहा कि फ्रांस बम की धमकियों और चेतावनियों की बढ़ती घटनाओं को लेकर बेहद सतर्क है। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, आयरलैंड की राजधानी डबलिन में नौवें यूरोपीय राजनीतिक समुदाय (ईपीसी) शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बातचीत में मैक्रों ने कहा कि इन धमकियों के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए अभी पर्याप्त सबूत नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल किसी विदेशी ताकत को इन घटनाओं के पीछे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। ये घटनाएं पिछले कुछ दिनों में यूरोप के कई देशों में बम की धमकियां मिलने के बीच हुई हैं। इटली में भी कई स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले हैं। इतालवी अखबार 'कोरिएरे डेला सेरा' के मुताबिक, ऐसे स्कूलों की शुरुआती संख्या 1,803 बताई गई है।

पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान खान की दो बहनों को जेल से रिहा किया

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों को पंजाब सरकार द्वारा उनकी हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद गुरुवार को रिहा कर दिया गया. विपक्षी दल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं ने यह जानकारी दी. पीटीआई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व संघीय मंत्री मूनिस इलाही ने एक बयान में कहा कि आखिरकार कुछ अच्छी खबर मिली. उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की दो बहनों डॉ. उज्मा खान और नोरीन नियाजी को हिरासत के आदेश वापस लिए जाने के बाद कोट लखपत जेल से रिहा कर दिया गया. उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि अलीमा साहिबा और खान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा.'' पीटीआई के एक अन्य वरिष्ठ नेता जुल्फी बुखारी ने कहा, ''दो बहनों की रिहाई से अन्याय खत्म नहीं हो जाता और न ही इमरान खान के परिवार को दी गई यातनाएं मिट जाती हैं. हमारी मांग स्पष्ट है।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया

कहा– उपराष्ट्रपति घरेलू मामलों पर ध्यान दें, डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। वेंस ने ईरान से बातचीत की कोशिश की थी ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है।



वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था : अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है।

अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस : ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई। ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं।

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी : अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थी : करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।'

उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था : अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है।

तालिबान का अघोषित फरमान: पुरुष डॉक्टर नहीं करेंगे महिलाओं का इलाज

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान के अघोषित प्रतिबंधों ने महिलाओं के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल करना भी दूभर कर दिया है। 'द गार्जियन' और 'जान टाइम्स' की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, पुरुष डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों (डेंटिस्ट) द्वारा महिला मरीजों के इलाज पर लगी अनौपचारिक रोक ने महिलाओं को बेहद बेबस कर दिया है।

इसी साल ईरान से लौटी हेरात शहर की 37 वर्षीय फरीदा (बदला हुआ नाम) का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। जुलाई की शुरुआत में दांतों के असहनीय दर्द के कारण वह एक डेंटल क्लिनिक गई। डॉक्टर ने डेंचर लगाने की सलाह दी और पूरा खर्च एडवांस में जमा करवा लिया। लेकिन तीसरे सेशन में, जब इम्प्लांट लगाया जाना था, उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया गया कि अभी इलाज नहीं हो सकता, आप घर जाएं। दो दिन बाद क्लिनिक ने बताया कि पुरुष डेंटिस्ट अब महिलाओं का इलाज नहीं कर सकते। तीन महीने के बाद भी फरीदा का इलाज अधूरा है।

पाबंदियों का स्तर इस हद तक पहुंच गया है कि मई में उत्तरी बल्ख प्रांत के अधिकारियों ने सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को निर्देश दिया कि महिला मरीजों को उनके असली नाम से न बुलाया जाए। यहां तक कि डॉक्टर के पर्चे पर भी महिलाओं के नाम की जगह 'बीबी' लिखने का आदेश दिया गया है। कुनार प्रांत की रहीमा (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि उनकी एक बुजुर्ग रिश्तेदार इलाज के लिए भटकना पड़ा।

छापेमारी और जेल का खौफ : तालिबान सुरक्षा बल क्लिनिकों पर छापेमारी कर रहे हैं। पुरुष डॉक्टरों को चेतावनी दी गई है कि यदि क्लिनिक में महिला मरीज पाई गईं, तो उन्हें जेल में डाल दिया जाएगा। एक सर्जन ने कहा कि उन्हें बिना महरम (पुरुष अभिभावक) के महिला मरीजों का इलाज न करने को कहा गया है।? फरवरी में तालिबान के संचार मंत्री हमदुल्लाह नोमानी ने दावा किया था कि इलाज करते समय पुरुष डॉक्टरों को 'महरम' ही माना जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इसके ठीक विपरीत है। पूर्वी शहर जलालाबाद के एक डेंटल क्लिनिक में सहायक के रूप में काम करने वाली नरगिस (बदला हुआ नाम) बताती हैं कि कुछ डॉक्टर इलाज के दौरान बाहर एक व्यक्ति को पहरे पर रखते हैं। उनके डॉक्टर अक्सर मजाक में कहते हैं कि ऑफिस में एक 'चादरी' (अफगान बुर्का) रख लेनी चाहिए, ताकि तालिबान अधिकारियों के आने पर वह उसे पहन लें और पकड़े न जाएं।

महिला डॉक्टरों का संकट और तालिबान का दोहरा रवैया : दिसंबर 2024 से महिलाओं के मेडिकल संस्थानों में पढ़ने और अस्पतालों में महिला स्टाफ की भर्ती पर रोक लगने के कारण महिला डॉक्टरों की भारी कमी हो गई है। जो गिनी-चुनी महिला डॉक्टर काम कर रही हैं, उनके लिए भी महरम साथ रखना अनिवार्य है।

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल : हेगसेथ ने खुद सम्मानित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।

वेटरन्स डे के कार्यक्रम के बाद हुआ था पूरा मामला : यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मारी, 3 भारतीयों समेत 14 की मौत

दुबई/ फुजैराह , एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है।

हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौत : यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है।

केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिए



हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैली यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

एंट्री गेट पर धीमी रफ्तार वाहनों से जा टकराया ट्रक 23 गाड़ियां हुईं क्षतिग्रस्त : यूएई के गृह मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना फुजैराह के एंट्री गेट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुई, जब सड़क पर वाहन धीमी गति से चल रहे थे। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें पांच ट्रक भी थे। मंत्रालय ने बताया कि टक्कर लगते ही ट्रक में आग भड़क उठी, जो देखते ही देखते आसपास खड़े और फंसे हुए अन्य वाहनों तक फैल गई। आग की लपटों के कारण बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ।

मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच, भारतीय दूतावास सक्रिय : अस्पताल में घायलों का उपचारः फुजैराह पुलिस ने जानकारी दी कि दुर्घटना में घायल हुए सभी 30 लोगों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। आग में झुलसने के कारण मृतकों की शिनाख्त के लिए डीएनए जांच का सहारा लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में यूएई के कुछ स्थानीय नागरिक शामिल हैं। वहीं, यूएई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने पुष्टि की है कि इस हादसे में भारतीय नागरिकों की भी जान गई है।

अमेरिकी नौसेना में कार्रवाई से मचा बवाल: पनडुब्बी और युद्धपोत के कमांडर हटाए; कांग्रेस ने मांगा जवाब

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी नौसेना में पिछले कुछ महीनों के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों को बिना सार्वजनिक घोषणा के उनके पदों से हटा दिया गया। आमतौर पर नौसेना ऐसे फैसलों की आधिकारिक जानकारी साझा करती है, लेकिन इस बार गोपनीयता बरतने से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नाराज हैं। सांसदों का कहना है कि महत्वपूर्ण सैन्य पदों पर तैनात अधिकारियों को हटाने की जानकारी कांग्रेस को भी नहीं दी गई। इससे नौसेना की पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पनडुब्बी की पूरी नेतृत्व टीम पर गिरी गाज : दो डेमोक्रेटिक सांसदों के मुताबिक, पिछले महीने समुद्र के भीतर किसी वस्तु से टकराने की घटना के बाद नौसेना ने परमाणु ऊर्जा से संचालित अटैक पनडुब्बी यूएसएस साउथ डकोटा की पूरी



नेतृत्व टीम को हटा दिया। इसमें पनडुब्बी के कमांडर, उनके डिप्टी और सबसे वरिष्ठ नाविक शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि नौसेना ने न तो इस कार्रवाई की सार्वजनिक घोषणा की और न ही टक्कर की घटना पर विस्तृत जानकारी दी।

ईरान के खिलाफ तैनात युद्धपोत की कमांडर भी हटाई : एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी के अनुसार, नौसेना ने 27 सितंबर को यूएसएस माइकल मर्फी डिस्ट्रॉयर की कमांडर कैटलिन कनिंघम को भी पद से हटा दिया। यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अभियानों में सहायता के लिए मध्य पूर्व में तैनात था। कनिंघम को हटाने का कारण 'भरोसा खत्म होना' (लॉस ऑफ कॉन्फिडेंस) बताया गया। उन्हें कमांडर की जिम्मेदारी संभाले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था। अधिकारी ने संवेदनशील जानकारी होने के कारण अपनी पहचान गोपनीय रखी।

पुरानी परंपरा से अलग नौसेना की कार्रवाई : अमेरिकी नौसेना में किसी कमांडर को हटाए जाने पर आमतौर पर कुछ ही दिनों में आधिकारिक घोषणा की जाती है। हालांकि, कनिंघम के मामले में ऐसा नहीं हुआ। मीडिया के सवालों पर भी नौसेना ने कोई टिप्पणी नहीं की। पनडुब्बी की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी भी कांग्रेस को समय पर नहीं दी गई। इस रवैये को नौसेना की स्थापित सूचना साझा करने की परंपरा से अलग माना जा रहा है। कनेक्टिकट के जो कर्टनी और वाशिंगटन के एडम स्मिथ ने नौसेना के शीर्ष अधिकारियों को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। कार्यवाहक नौसेना सचिव हंग काओ और एडमिरल डेरिल कॉडल को भेजे गए पत्र में उन्होंने कहा कि यूएसएस साउथ डकोटा की नेतृत्व टीम को हटाने की जानकारी हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी को नहीं देना निराशाजनक है। सांसदों के मुताबिक, इस तरह की जानकारी साझा नहीं करने से नौसेना की पारदर्शिता और कांग्रेस के साथ उसके कामकाजी संबंध प्रभावित होते हैं। मोनाहन नौसेना में रियर एडमिरल होने के साथ कांग्रेस और सुप्रीम कोर्ट के अटेंडिंग फिजिशियन भी रहे हैं। उन्होंने करीब 18 वर्षों तक इस कार्यालय का नेतृत्व किया।

एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने दिया इस्तीफा, चीनी जासूस से संबंधों के आरोपों के बीच फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एआई हार्डवेयर कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। यह फैसला उन आरोपों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया गया है कि जिस महिला के साथ उनका संबंध था, वह चीन की खुफिया एजेंसी से जुड़ी हो सकती है। बताया गया है कि एनवीडिया के निदेशक मंडल ने बुधवार को कई घंटों तक बैठक की, जिसके बाद कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कोलेट क्रेस को अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, हुआंग ने स्वीकार किया है कि उनका एक ऐसी महिला के साथ संबंध था, जिस पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह है। कुछ स्वतंत्र मीडिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि वह अपनी कंपनी में काम करने वाली एक अन्य महिला के साथ भी संबंधों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह मामला एलिस ले हुआंग (जिनका जेनसन हुआंग से कोई पारिवारिक संबंध नहीं बताया गया है) से जुड़ा है और इसने तकनीक, व्यापार और सरकार के उच्च स्तर तक हलचल पैदा कर दी है।

कहा जा रहा है कि इस विवाद का असर अमेरिकी राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, तकनीकी क्षेत्र और शेयर बाजार तक पहुंचा है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के लिए चीन जाने की तैयारी कर रहे हैं, जहां उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी



जिनपिंग से होनी है।

चीन ने एलिस हुआंग के किसी भी खुफिया संबंध से इनकार किया है। जेनसन हुआंग को ट्रंप के करीबी उद्योगपतियों में माना जाता रहा है। उन्होंने चीन को उन्नत चिप्स बेचने पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील देने की पैरवी की थी। उनका तर्क था कि पूरी तरह प्रतिबंध लगाने से एआई क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले ने ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेदों को उजागर किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जासूसी आरोपों की जानकारी ट्रंप को दी थी, जबकि वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक जैसे कुछ लोग चीन को चिप्स बेचने के पक्ष में बताए गए। सोमवार को ट्रंप ने हुआंग का बचाव करते हुए कहा था, 'मैं जेनसन को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद सम्मानित व्यक्ति हैं।' बताया गया है कि हुआंग ने ट्रंप से कहा था कि उन्हें एलिस हुआंग और चीन की जासूसी व्यवस्था के बीच किसी संभावित संबंध की जानकारी नहीं थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म होने की उम्मीद: जेलेंस्की से मिले ट्रंप के दूत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आयरलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई, जब दोनों अमेरिकी दूत इससे पहले मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर चुके थे। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों, कैदियों की अदला-बदली और शांति वार्ता में यूरोप की भूमिका बढ़ाने पर चर्चा हुई।

कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी : जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मुलाकात के तीन प्रमुख नतीजों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से कैदियों की अब तक की सबसे बड़ी अदला-बदली की तैयारी की जा रही है। जेलेंस्की ने इसे बातचीत का पहला मानवीय नतीजा बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस पहल से बड़ी संख्या में युद्धबंदियों की रिहाई का रास्ता साफ होगा।

शांति वार्ता में यूरोप को बराबर की भागीदारी : जेलेंस्की ने कहा कि दूसरा बड़ा नतीजा राजनयिक प्रयासों में यूरोपीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना है। यूक्रेन चाहता



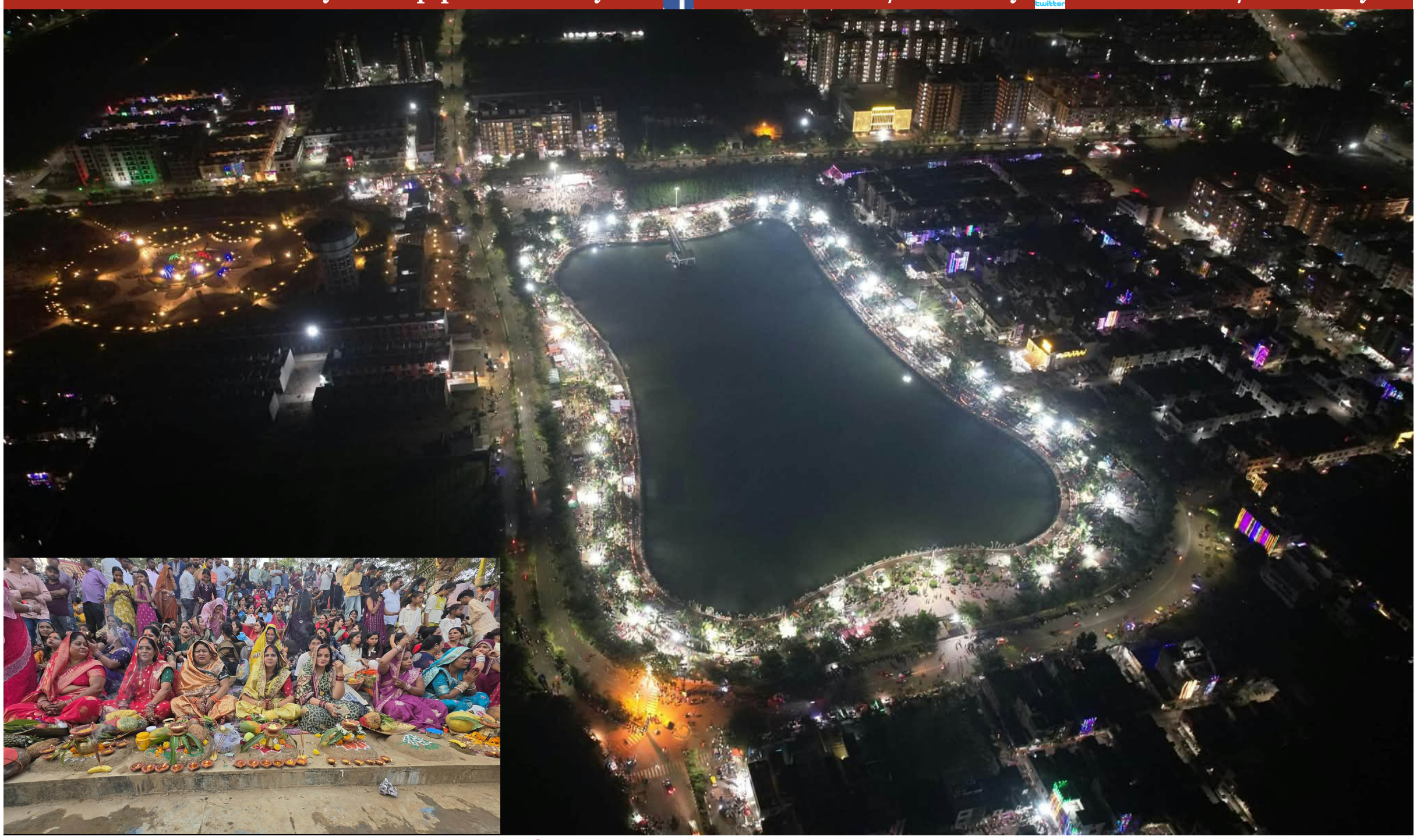
है कि शांति वार्ता की मेज पर यूरोप को भी बराबर की जगह मिले। उनके मुताबिक, यूक्रेन पूरे यूरोप के हितों की रक्षा करता है और इसलिए इस प्रक्रिया में यूरोपीय देशों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

बहुपक्षीय बैठकों का भी बनेगा रास्ता : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ और बहुपक्षीय बैठकों की तैयारी की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन राजनयिक प्रयास जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बैठकों का उद्देश्य रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान निकालने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाना है।

मॉस्को में पुतिन से मिले थे अमेरिकी दूत : आयरलैंड में हुई बैठक से पहले विटकॉफ और कुशनर ने मॉस्को के क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। इस दौरान रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के ताजा घटनाक्रमों की समीक्षा की गई। यह बैठक अबू धाबी में दो दिनों तक चली त्रिपक्षीय बातचीत के बाद हुई थी। हालांकि, अबू धाबी वार्ता में कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन कैदियों की अदला-बदली सहित कुछ मुद्दों पर प्रगति हुई। विटकॉफ ने बातचीत को बताया सकारात्मक मॉस्को से रवाना होने से पहले वुनुकोवो हवाई अड्डे पर सीएनएन से बातचीत में विटकॉफ ने वार्ता को सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि बातचीत में प्रगति हुई है और त्रिपक्षीय वार्ता दोबारा शुरू करना अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके मुताबिक, अगली बैठक भी तय कर ली गई है। विटकॉफ ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप संघर्ष को बातचीत के जरिए समाप्त करने के प्रयास कर रहे हैं और इस दिशा में आगे बढ़ना उनकी प्राथमिकता है। उन्हें उम्मीद है कि इस बातचीत से अगले दौर की बहुपक्षीय वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। विटकॉफ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश अमेरिका के साझेदार हैं और शांति प्रक्रिया में उनकी भागीदारी जरूरी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



सूरत समेत कई शहरों में हजारों श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, महिलाओं ने नदी में लगाई डुबकी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोग उगते और डूबते, दोनों सूर्य की पूजा करते हैं। आज रविवार, 15 नवंबर को कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर छठ महापर्व मनाया जा रहा है। छठ पूजा के अवसर पर आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया, जबकि कल यानी 16 नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह व्रत संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है। छठ पर्व में सूर्यदेव के साथ छठी मैया की पूजा करने की परंपरा है। सूरत में भी 25 अलग-अलग स्थानों पर छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया। तापी नदी के किनारे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर सूर्यदेव को नमन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल भी शामिल हुए।

सूरत शहर में छठ पूजा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में छठ पूजा के आयोजन किए गए। डिंडोली में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर श्रद्धालुओं ने छठी मैया और सूर्यदेव की आराधना की। संतान की प्राप्ति और संतान के सुखी जीवन के लिए भी इस पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सूरत के न्यू VIP रोड पर SMC के कथित कर्मचारी की लोगों ने की पिटाई

नशे में हफ्ता वसूली और फेरीवालों को परेशान करने के आरोपों के बीच वीडियो वायरल,अलथान पुलिस जांच में जुटी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के न्यू वीआईपी रोड इलाके में सूरत महानगरपालिका (SMC) के एक कथित कर्मचारी को स्थानीय लोगों और फेरीवालों द्वारा घेरकर पीटने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नशे की हालत में आकर रोजाना पैसों की मांग करने और परेशान करने के गंभीर आरोप लगाते हुए लोगों ने कथित कर्मचारी का कॉलर पकड़कर उसे दो थप्पड़ जड़ दिए। फिलहाल इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अलथान पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

महिला फेरीवाली ने नशे में होने और हफ्ता मांगने का लगाया आरोप वायरल वीडियो में सड़क किनारे बैठकर सामान बेचने वाली एक महिला फेरीवाली ने कथित कर्मचारी पर आरोप लगाया कि यह व्यक्ति नशे की हालत में आता है और रोजाना पैसे मांगकर उसे परेशान करता है। महिला ने आक्रोश जताते हुए कहा कि शराब पीकर आने का यह कोई समय नहीं है, चाहे वह कोई बड़ा अधिकारी ही क्यों न हो।

इस दौरान वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति ने भी आरोप लगाया कि यह शख्स स्वच्छ की वर्दी पहनकर गरीब फेरीवालों से अवैध वसूली करता है। इसके बाद लोगों ने उससे पहचान पत्र (आई-कार्ड) दिखाने की मांग की।

'ON DUTY SMC' लिखी बाइक पर आया था, भीड़ ने घेरा बताया जा रहा है कि कथित कर्मचारी GJ-05-HD-5773 नंबर की दोपहिया वाहन पर आया था, जिस पर 'ON DUTY SMC' लिखा हुआ दिखाई दे रहा था। विवाद बढ़ने पर उसने बाइक लेकर वहां से भागने का प्रयास किया, लेकिन गुस्साए लोगों ने उसे घेर लिया।

अलथान पुलिस जांच में जुटी इस मामले में अलथान पुलिस स्टेशन के पीआई जे.एस. जंबारे ने बताया कि वायरल वीडियो न्यू वीआईपी रोड, अलथान क्षेत्र का बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है कि घटना अलथान पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई है या किसी अन्य क्षेत्र में। यदि घटना अलथान पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई होगी तो पूरे घटनाक्रम की कानूनी जांच की जाएगी।



डिंडोली में जुए के अड्डे पर पुलिस की रेड, सात जुआरी गिरफ्तार

ताश के पत्तों से हार-जीत का जुआ खेलते पकड़े गए सात आरोपी, 26,420 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। डिंडोली पुलिस थाना क्षेत्र में जुआ खेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डिंडोली की कर्म अनंता सोसायटी में सार्वजनिक रूप से ताश के पत्तों के जरिए हार-जीत का जुआ खेल रहे सात आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ा। पुलिस कमिश्नर वाबांग जामीर सहित उच्च अधिकारियों के निर्देश पर शराब और जुए जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत डिंडोली पुलिस स्टेशन के पीआई पी.एल. वाघेला और सेकंड पीआई जे.एम. खांट के मार्गदर्शन में सर्विलांस टीम पेट्रोलिंग कर रही थी।

इसी दौरान पुलिसकर्मियों भूषण भाऊसाहेब और दीपककुमार नरेंद्रभाई को मिली मुखबिर की सूचना के आधार पर कर्म अनंता सोसायटी में छापेमारी की गई। जहां सात आरोपी ताश के पत्तों से जुआ खेलते हुए मिले।

पुलिस ने मौके से सुनील केदार यादव, संजय गोविंद पाटील, गणेश बंसीलाल पाटील, संजय विठ्ठल पाटील, केशव नीलकंठ बाविस्कर, राहुल राजेश देवरे और मनीष विजय हेडाऊ को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 26 हजार 420 रुपये नकद और जुए में इस्तेमाल किए जा रहे 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। इस मामले में डिंडोली पुलिस स्टेशन में गुजरात जुआ अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है।



सूरत में चाकू की नोक पर मोबाइल लूटने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार, पांच वारदातों का खुलासा

उधना सर्विलांस टीम की बड़ी कार्रवाई, 6 लूटे गए मोबाइल, 3 चाकू और 2 बाइक सहित 1.68 लाख रुपये का मुद्दामाल बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। शहर में चाकू दिखाकर लोगों से मोबाइल लूटने और चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले पांच आरोपियों को उधना पुलिस की सर्विलांस टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 6 मोबाइल फोन, आरोपियों के 3 मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल की गई 2 मोटरसाइकिल और 3 चाकू समेत कुल 1 लाख 68 हजार रुपये का मुद्देमाल बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनदीप उर्फ बाबू पाल (21), जयेश उर्फ बाबू यादव (18), रवि उर्फ रविशंकर उर्फ टेणिया यादव (22), विकास उर्फ छोटू पांडे (21) और राजू शेषनाथ गौड़ (22) के रूप में हुई है। सभी आरोपी सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर रहते हैं। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर उधना पुलिस स्टेशन के पीआई आर.एम. ठाकोर और पीआई जे.के. गढ़वी के मार्गदर्शन में सर्विलांस पीएसआई वी.एम. डेर के नेतृत्व में टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर उधना, पांडेसरा और अलथाण क्षेत्रों में कार्रवाई कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पांच वारदातों का खुलासा

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने उधना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक, पांडेसरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में तीन और अलथाण पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक, इस तरह कुल पांच वारदातों को अंजाम दिया था। इनमें चार मोबाइल लूट और एक मोबाइल चोरी का मामला शामिल है। आरोपियों ने चाकू की नोक पर लोगों को निशाना बनाकर मोबाइल फोन लूटे थे। पुलिस ने लूट और चोरी के मामलों में कुल छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

1.68 लाख रुपये का मुद्देमाल जब्त

पुलिस ने आरोपियों के पास से दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, तीन चाकू, छह लूटे गए मोबाइल और आरोपियों के तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। बरामद किए गए मुद्देमाल की कुल कीमत 1 लाख 68 हजार रुपये बताई गई है।



कैंसर मरीजों और उनके परिवारों के साथ मनाई दिवाली खुशियों के रंगों से रोशन हुई जिंदगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। दिवाली के पावन अवसर पर साँची हेल्थ केयर फाउंडेशन द्वारा कैंसर मरीजों और उनके परिवारजनों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

फाउंडेशन की डायरेक्टर पूनम पराशर ने बताया कि भटार स्थित अपना घर में आयोजित इस कार्यक्रम में कैंसर मरीजों और उनके परिजनों को शामिल किया गया। इस दौरान सभी को मिठाई वितरित की गई तथा पटाखे और फुलझड़ियां जलाकर दिवाली की खुशियां साझा की गईं।कार्यक्रम में लाइफस्टाइल एक्सपर्ट डॉ. मुकेश पराशर ने मरीजों के परिजनों को कैंसर से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं सुझाव दिए।

इस आयोजन का उद्देश्य कैंसर मरीजों और उनके परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाना तथा उन्हें यह एहसास कराना था कि इस संघर्ष में वे अकेले नहीं हैं।

